अजमेर, सीकर, झुंझुनूं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

विज्ञापन के लिऐ : 9314505000

लॉग ऑन करें: www.chamaktarajasthan.com

RNI No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

चमकता राजस्थान

Email- chamaktarajasthan8789@gmail.com

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2022-23

जयपुर, रविवार, 10 सितंबर 2023 | वर्ष : 14 | अंक : 27 | पृष्ठ : 8 | दैनिक प्रात: कालीन | मूल्य: 1 रूपया

न्यूज ब्रीफ

हेलीकॉप्टर उड़ानों के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री के सभी अनुरोध स्वीकृत - गृह मंत्रालय

नई दिल्ली/जयपुर, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने शनिवार को उस मीडिया रिपोर्ट का खंडन किया, जिसमें जिक्र था कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को उनकी हेलीकॉप्टर उड़ान के लिए मंजूरी नहीं दी गई। गृह मंत्रालय ने कहा कि उनके सभी चार अनुरोधों को मंजूरी दी गई थी।

एक्स में पोस्ट की गई एक सीरीज साझा करते हुए गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि एक समाचार रिपोर्ट में राजस्थान के मुख्यमंत्री ने एमएचए द्वारा उनके हेलीकॉप्टर उड़ान के लिए मंजूरी से इनकार करने का दावा किया है। उड़ान के लिए मुख्यमंत्री राजस्थान से सीकर सहित चार अनुरोध प्राप्त हुए थे। सभी को गृह मंत्रालय ने स्वीकृत किया था।

एक अन्य पोस्ट में कहा गया, मुख्यमंत्री राजस्थान के किसी भी अनुरोध को अस्वीकार नहीं किया गया है। जबकि, वाणिज्यिक विमानों की सभी निर्धारित उड़ानों और राज्यपालों और राज्य के मुख्यमंत्रियों को उनके राज्य के विमानों पर आवाजाही की अनुमति है, निजी चार्टर्ड उड़ानों के लिए विशिष्ट एमएचए अनुमोदन की आवश्यकता होती है।

गृह मंत्रालय की टिप्पणी एक समाचार रिपोर्ट के बाद आई है, जिसमें दावा किया गया है कि मुख्यमंत्री की उड़ान को गृह मंत्रालय ने मंजूरी नहीं दी थी।

दुनिया का सबसे महंगा सिक्का, कीमत 192 करोड़ रुपए, 4 किलो सोने से बना

लंदन, (एजेंसी)। ईस्ट इंडिया कंपनी ने क्वीन एलिजाबेथ-II की पहली डेथ एनिवर्सरी (पुण्यतिथि) पर एक सिक्का जारी किया है। इसकी कीमत 192 करोड़ रुपए है। इसे 4 किलोग्राम सोने से बनाया गया है। इसमें 6 हजार 400 हीरे भी जड़े हुए हैं। इसे द क्राउन कॉइन नाम दिया गया है। इसे अब तक का सबसे महंगा सिक्का कहा जा रहा है। इसके पहले डबल ईगल नाम के सिक्के को दुनिया का सबसे महंगा सिक्का माना जाता था। इस डबल ईगल की कीमत 163 करोड़ रुपए थी। इसे ऑगस्टस सेंट गॉडंस ने 1933 में डिजाइन किया था।

राजद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट में 12 सितंबर को सुनवाई, केंद्र ने मई में कहा- रिव्यू कर रहे, सितंबर में खत्म करने का बिल पेश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। 152 साल पुराने राजद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 12 सितंबर को सुनवाई करेगा। इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच करेगी।

इससे पहले 1 मई को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि राजद्रोह को अपराध बनाने वाली आईपीसी की धारा 124 ए की समीक्षा की जा रही है। इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई स्थगित कर दी थी। हालांकि, सुनवाई की तारीख आने से पहले ही 11 अगस्त 2023 को गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में 163 साल पुराने 3 कानूनों में बदलाव के लिए बिल पेश किया। इसमें राजद्रोह कानून खत्म करना भी शामिल है।

लॉ कमीशन ने कहा- राजद्रोह कानून जरूरी : लॉ कमीशन ने 2 जून को सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। आयोग का कहना था कि भारतीय दंड संहिता की धारा 124 ए को आईपीसी में बनाए रखने की आवश्यकता है। इसको हटाने का कोई वैलिड रीजन नहीं है। हालांकि, कानून के उपयोग को लेकर ज्यादा स्पष्टता बनी रहे इसके लिए कुछ संशोधन किए जा सकते हैं।

शिक्षक भर्ती परीक्षा लेवल-2 का रिजल्ट जारी, हिंदी में 2450, पंजाबी में 178 और सिंधी सब्जेक्ट में 1 अभ्यर्थी का सिलेक्शन

जयपुर, (कासं)। राजस्थान के सरकारी स्कूल में टीचर बनने का सपना देख रहे युवाओं का इंतजार खत्म हो गया है। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने शनिवार को शिक्षक भर्ती परीक्षा लेवल-2 के 3 सब्जेक्ट हिंदी, पंजाबी और सिंधी का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। हिंदी विषय में कुल 3176 पदों पर 2450, पंजाबी विषय में 272 पदों पर 178 और सिंधी विषय के 9 पदों पर एक अभ्यर्थी का फाइनल सिलेक्शन किया गया है। इन तीनों सब्जेक्ट में कुल 828 पदों पर किसी अभ्यर्थी का सिलेक्शन नहीं किया गया। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष आलोक राज ने बताया- लेवल 2 के शेष रहे सब्जेक्ट का रिजल्ट भी इसी महीने जारी कर दिया जाएगा। बोर्ड ने लेवल-2 के सभी सब्जेक्ट के डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन प्रक्रिया को पूरा कर लिया है। ऐसे में इसी महीने बोर्ड 48,000 पदों पर फाइनल उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर देगा।

हालांकि जो मामले कोर्ट में विचाराधीन हैं, उन्हें प्रोविजनल लिस्ट में रखा जाएगा। इन पर कोर्ट के फैसले के आधार पर ही अंतिम फैसला किया जाएगा।

शिक्षक भर्ती परीक्षा लेवल-1 में 2 लाख 12 हजार 342 में से 1 लाख 96 हजार 696 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी। लेवल-1 में कुल उपस्थिति 92.63 फीसदी रही थी। जबकि लेवल-2 में 7 लाख 53 हजार 23 अभ्यर्थियों में से 7 लाख 5 हजार 629 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। लेवल-2 की अटेंडेंस 93.70 फीसदी रही थी।

जी 20 घोषणा पत्र पर सभी सदस्य देश सहमत

9 बार आतंकवाद, चार बार यूक्रेन का जिक्र; भारत के प्रस्ताव पर अफ्रीकन यूनियन जी 20 मेंबर बना

भारत ने जी 20 घोषणा पत्र पर रूस-अमेरिका में सहमति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नई दिल्ली में जारी जी 20 समिट के पहले दिन ही साझा घोषणा पत्र पर सहमति बन गई है। शनिवार को दूसरे सेशन की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी ने बतौर अध्यक्ष यह जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने सभी सदस्य देशों की सहमति से नई दिल्ली डिक्लेरेशन पारित कर दिया।

डिक्लेरेशन पास होने के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि सभी देशों ने नई दिल्ली घोषणा पत्र मंजूर किया है। उन्होंने कहा- सभी लीडर्स ने माना है कि जी 20 राजनीतिक मुद्दों को डिस्कस करने का प्लेटफॉर्म नहीं है। सभी ने अर्थव्यवस्था से जुड़े अहम मुद्दों को डिस्कस किया है।

इस घोषणा पत्र में यूक्रेन जंग का 4 बार जिक्र हुआ है। वहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि हमें चुनौतीपूर्ण समय में अध्यक्षता मिली। जी 20 का साझा घोषणा पत्र 37 पेज का है। इसमें कुल 83 पैराग्राफ हैं। इसे ही नई दिल्ली डिक्लेरेशन कहा गया है। सभी देश सस्टेनेबल डेवलेंपमेंट गोल पर काम करेंगे। भारत की पहल पर वन फ्यूचर एलायंस बनाया जाएगा। सभी देशों को एन चार्टर के नियमों के मुताबिक काम करना चाहिए। बायो फ्यूल एलायंस बनाया जाएगा। इसके फाउंडिंग मेंबर भारत, अमेरिका और ब्राजील होंगे। एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य पर जोर दिया जाएगा। मल्टीलेट्रल डेवलेपमेंट बैंको को मजबूती दी जाएगी।

उन्हें बेहतर, बड़ा और ज्यादा कारगर बनाया जाएगा। ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं पर जोर दिया जाएगा। क्रिप्टोकरेंसी को लेकर एक ग्लोबल पॉलिसी बनाने को लेकर बातचीत की जाएगी। कर्ज को लेकर बेहतर व्यवस्था बनाने को लेकर भारत ने कॉमन फ्रेमवर्क बनवाने की बात पर जोर दिया है। दुनिया में तेजी से विकास करने वाले शहरों को फंड किया जाएगा। ग्रीन और लॉ कार्बन एनर्जी टेक्नोलॉजी पर काम किया जाएगा। सभी देशों ने आतंकवाद के हर रूप की आलोचना की है। आतंकवाद का 9 बार जिक्र किया गया था। पीएम मोदी ने ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस लॉन्च किया। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना सहित ब्राजील, अर्जेंटीना और इटली के राष्ट्राध्यक्ष भी मौजूद रहे। इसके बाद पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत के लिए कनेक्टिविटी को बढ़ाना प्राथमिकता है।

दिल्ली घोषणा में परमाणु-हथियारों की धमकी या उपयोग को अस्वीकार्य बताया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जी20 शिखर सम्मेलन के पहले दिन शनिवार को जारी दिल्ली घोषणा में यूक्रेन में व्यापक, न्यायसंगत और टिकाऊ शांति का आह्वान किया गया है और सदस्य देशों से क्षेत्रीय अधिग्रहण के लिए बल प्रयोग के खतरे से बचने या किसी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता के विरुद्ध कार्य न करने का आग्रह किया गया है। घोषणा में परमाणु हथियारों के उपयोग या उपयोग की धमकी को अस्वीकार्य बताया गया है।दिल्ली घोषणा में जी20 नेताओं ने कहा, पृथ्वी, लोगों, शांति और समृद्धि के लिए हम दुनिया भर में भारी मानवीय पीड़ा और युद्धों तथा संघर्षों के प्रतिकूल प्रभाव पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। इसमें कहा गया है कि बाली में हुई चर्चा को याद करते हुए, यूक्रेन में युद्ध के संबंध में हमने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपनाए गए अपनी राष्ट्रीय स्थितियों और प्रस्तावों को दोहराते हैं और रेखांकित करते हैं कि सभी राज्यों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों के अनुरूप कार्य करना चाहिए।घोषणा में कहा गया है, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुरूप, सभी राज्यों को किसी भी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ क्षेत्रीय अधिग्रहण की धमकी या बल प्रयोग से बचना चाहिए। इसमें यह भी कहा गया कि जी20 अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रमुख मंच है, और यह स्वीकार करते हुए कि हालांकि जी20 भूराजनीतिक और सुरक्षा मुद्दों को हल करने का मंच नहीं है, हम स्वीकार करते हैं कि इन मुद्दों के वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण परिणाम हो सकते हैं।

विश्व में विश्वास का संकट, दुनिया को दिया 'सबका साथ-सबका विकास' वाला मंत्र : पीएम मोदी

भारत की अध्यक्षता में दिल्ली में शनिवार को जी20 शिखर सम्मेलन का आगाज हो गया है। बैठक से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी वैश्विक नेताओं की अगवानी की। शनिवार को पीएम मोदी के स्वागत भाषण के साथ ज्ञ20 शिखर सम्मेलन की शुरुआत हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ज्ञ20 समिट के अध्यक्ष के रूप में पूरी दुनिया से विश्वास की कमी को एक-दूसरे पर भरोसे में तब्दील करने की अपील करता है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं आप सभी के समर्थन से अफ्रीकी संघ को जी20 में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं।

विश्व में विश्वास का संकट : अफ्रीकी देश में आए भीषण भूकंप का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरी दुनिया मोरक्को के साथ है, हम हर संभव मदद करने को तैयार हैं। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि ष्ध1द्वस्र-19 महामारी के बाद दुनिया विश्वास की कमी से जूझ रही है। युद्ध ने इसे और गहरा कर दिया है। अगर हम कोविड़-19 को हरा सकते हैं, तो हम युद्ध के कारण पैदा हुई विश्वास की कमी को भी दूर कर सकते हैं।

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास : पीएम मोदी ने कहा कि भारत जी20 के अध्यक्ष के रूप में पूरी दुनिया से विश्वास की कमी को एक-दूसरे पर भरोसे में तब्दील करने की अपील करता है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे दौर में जी रहे हैं, जब सदियों पुरानी समस्याएं जवाब मांग रही हैं। हमें मानव-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास% की अवधारणा दुनिया का मार्गदर्शन कर सकती है। अब समय आ गया है कि वैश्विक भलाई के लिए हम सब साथ मिलकर चलें।

नेम प्लेट पर 'इंडिया' की जगह लिखा 'भारत' : पीएम मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए देश का नाम लेते समय 'भारत% शब्द का इस्तेमाल किया। इस दौरान पीएम मोदी के आगे रखी प्लेट पर भारत लिखा था। इन दिनों देश में इंडिया बनाम भारत को लेकर तगड़ी बहस चल रही है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इंडिया का नाम बदलकर भारत किया जा सकता है।

मोरक्को में 7.2 तीव्रता का भूकंप 822 की मौत, कई इमारतें ढहीं

रबात/माराकेश, (एजेंसी)। मोरक्को के मराकेश के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में शुक्रवार की देर रात को शक्तिशाली भूकंप आया। 6.8 तीव्रता के भूकंप के झटको से मोरक्को थर्रा उठा। इस भयानक भूकंप से दर्जनों इमारतें जमींदोज हो गई। शक्तिशाली भूकंप के बाद कम से कम 300 लोगों की मौत हो गई है। झटका देर रात आया जब लोग सो रहे थे। मलबे में लोगों के दबे होने की आशंका है। भूकंप के झटके महसूस करते ही स्थानीय लोगों में अफरातफरी मच गई। लोग अपने घरों को छोड़कर सड़कों पर निकल आए। प्रशासन की तरह से राहत-बचाव का काम जारी है। इस भूकंप के झटके का एपीसेंटर मारकेश से 71 किलोमीटर दूर 18.5 किलोमीटर की गहराई पर था।

चारों ओर तबाही का मंजर : भकंप के झटके स्थानीय समयानुसार रात 11 बजे महसूस किए गए। मराकेश शहर में बड़ी संख्या में घर गिरे हैं। झटका इतना तेज था कि लोगों में चीख-पुकार मच गई। भूकंप के बाद भी लोगों के मन में डर बना हुआ है और वह अपने घरों में दोबारा नहीं जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में ढहीं इमारतें, संकरी गलियों में पसरा मलबे का ढेर, चारों ओर तबाही का मंजर दिख रहा है। सड़कों पर मलबा जमा है। तबाही के बाद स्थानीय लोगों ने राहत बचाव का काम शुरू किया।

पीएम मोदी बोले- भारत करेगा मदद : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोरक्को भूकंप में मारे गए लोगों के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। पीएम मोदी कहा है कि भारत मोरक्को की हर संभव मदद करने के लिए तैयार है। आपको बता में यह पहली बार नहीं है जब कि किसी देश पर प्राकृतिक आपदा आती है तो भारत हमेशा मदद के लिए तैयार रहता है। कई देशों में भारत मदद कर चुका है।

2004 में 628 लोगों की हुई थी मौत : आपको बता दें कि अफ्रीकी और यूरेशियाई प्लेटों के बीच स्थित होने के कारण मोरक्को के उत्तरी क्षेत्र में अक्सर भूकंप आते रहते हैं। साल 2004 में अल होसेइमा में आए भूकंप ने तबाही मचाई थी। उस में करीब 628 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। वहीं, 926 घायल हो गए थे।

आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू गिरफ्तार

चेन्नई, (एजेंसी)। आंध्र के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगू देशम पार्टी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया। तेलुगू देशम पार्टी ने इस बारे में जानकारी दी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक उन्हें विजयवाड़ा जेल में भेजा जा रहा है। भ्रष्टाचार के मामले में आपराधिक जांच विभाग ने शनिवार सुबह नायडू के खिलाफ कार्रवाई की। नायडू के खिलाफ 2021 में मामला दर्ज किया गया था। बताया है कि चंद्रबाबू नायडू के बेटे और टीडीपी नेता नारा लोकेश को पूर्वी गोदावरी जिले में पुलिस ने हिरासत में लिया है। टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया। आंध्र के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू को आज सुबह 6 बजे गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 120(बी), 166, 167, 418, 420, 465, 468, 201, 109 के साथ 34 और 37 के तहत केस दर्ज किया गया है।

जमानत के लिए जाएंगे हाईकोर्ट : तेलुगू देशम पार्टी ने आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम एन चंद्रबाबू नायडू का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। वहीं टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू के वकील का कहना है कि हाई ब्लड प्रेशर और सुगर का पता चलने के बाद सीआईडी चंद्रबाबू को मेडिकल जांच के लिए ले गई है। वकील ने कहा कि पूर्व सीएम की जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा रहे हैं।

नायडू ने कहा, मैंने कोई भ्रष्टाचार नहीं किया : पुलिस हिरासत में जाने से पहले चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि मैंने कोई भ्रष्टाचार नहीं किया है। सीआईडी ने बिना किसी उचित जानकारी के मुझे गिरफ्तार कर लिया और मैंने उनसे सबूत दिखाने के लिए कहा। लेकिन उन्होंने सबूत दिखाने से इनकार कर दिया और मेरी भूमिका के बिना मेरा नाम एफआईआर में जोड़ दिया।

राम मंदिर में 22 जनवरी को विराजेंगे रामलला, पीएम मोदी को न्योता भेजा गया

अयोध्या, (एजेंसी)। अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर में रामलला विराजेंगे। 15 जनवरी से मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह शुरू होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस कार्यक्रम के लिए न्योता दिया जा चुका है। सूत्रों के मुताबिक समारोह के अंतिम दिन यानी 22 जनवरी को पीएम मोदी की मौजूदगी में राम मंदिर में रामलला को विराजमान किया जाएगा।

शनिवार (9 सितंबर) को राम मंदिर से जुड़ी भवन निर्माण समिति की दूसरे दिन बैठक में इन सभी बातों पर चर्चा हुई। बैठक अभी भी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र कार्यालय में चल रही है। इसमें विहिप अध्यक्ष आलोक कुमार, उपाध्यक्ष जीवेश्वर मिश्रा और राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय भी मौजूद हैं।

मूर्तियों-मंदिर के ग्राउंड फ्लोर को फाइनल टच देने पर चर्चा : भवन निर्माण समिति की दूसरी बैठक रूह्ल ऑफिस में चल रही है। बैठक भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र की अध्यक्षता में हो रही है। इसमें रामसेवकपुरम में बन रही मूर्तियों और मंदिर के ग्राउंड फ्लोर को फाइनल टच देने पर चर्चा की गई। इसके अलावा मंदिर से जुड़े सभी निर्माण कार्यों को दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए गए। निर्माण से जुड़े अधिकारियों की ओर से बताया गया कि इस समय मंदिर के ग्राउंड फ्लोर का फर्श बनाने का काम चल रहा है। यहां खंभों पर देव प्रतिमाओं को उकेरा जा रहा है। मंदिर के फर्स्ट फ्लोर में लगने वाले सभी 14 दरवाजे बनकर तैयार हो

वरिष्ठ नेताओं के सेवाभाव के अनुभवों से मिली सीख : मुख्यमंत्री

चमकता राजस्थान, फलौदी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि उन्होंने प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के समाज कल्याणकारी अनुभवों से मिली सीख से ही जनसेवा के कार्य किए हैं। इनमें शेरगढ़ के पूर्व प्रधान स्व. कल्याण सिंह राठौड़ से भी सीखने को मिला है। अब ग्राम चौरड़िया में उनकी प्रतिमा भी नई पीढ़ियों को सेवा भाव, संस्कार, संस्कृति और परम्पराओं के लिए प्रेरित करती रहेगी। गहलोत शनिवार को नवसृजित फलौदी जिले के चौरड़िया गांव में स्व. कल्याण सिंह राठौड़ की प्रतिमा अनावरण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्व. राठौड़ 37 साल तक शेरगढ़ के प्रधान और 15 साल तक उपजिला प्रमुख रहे। उन्होंने जीवनभर क्षेत्र विकास, शिक्षा को बढ़ावा देने और सर्वसमाज को जोड़ने के कार्य किए। उन्होंने हमेशा जनता के सुख-दुख में भागीदारी निभाई। अब उनका परिवार भी जनसेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी द्वारा पंचायती राज में महिलाओं को

दिए आरक्षण से उनकी स्थिति मजबूत हुई है। इसी का प्रभाव है कि विधायक श्रीमती मीना कंवर सहित अन्य महिला विधायक जनसेवा के क्षेत्र में काफी आगे बढ़ी है। अब वे घूंघट हटाकर पुरूषों के बराबर अपने विचारों को रख रही है।

गहलोत ने कहा कि फलौदी जिला बनाने की वर्षों पुरानी मांग पूरी होने से प्रशासन और आमजन के बीच दूरियां कम हुई है। अब क्षेत्र के विकास को अधिक गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जनता ट्रस्टी के रूप में कुशल वित्तीय प्रबंधन से जोधपुर सहित प्रदेश का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित किया है। अन्तिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे पहुंच रहा है।

योजनाओं में राजस्थान बना मॉडल स्टेट : मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य का अधिकार (आरटीएच), मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 25 लाख रुपए तक उपचार सुविधा, इन्दिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना में 500 रुपए में सिलेंडर, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी सहित अन्य योजनाओं में राजस्थान देश का मॉडल स्टेट बन गया है। उन्होंने कहा कि महंगाई राहत कैम्प, अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना, घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को 100 यूनिट और कृषि उपभोक्ताओं को 2000 यूनिट नि:शुल्क बिजली से महंगाई से राहत मिल रही है। राज्य सरकार के क्रांतिकारी फैसलों से लोगों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति मजबूत हुई है। अन्य राज्यों में हमारी योजनाओं का अध्ययन और अनुसरण किया जा रहा है।

किसान और पशुपालकों के लिए प्रतिबद्ध : गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार किसानों और पशुपालकों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। भीलवाड़ा से 6 सितम्बर को मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना की शुरूआत की गई, जिसमें 2 दूधारू पशुओं का बीमा (40-40 हजार) किया गया है। इनमें प्रीमियम भी राज्य सरकार भरेगी। लम्पी रोग में गौवंश की अकाल मृत्यु पर पशुपालकों को प्रति गाय 40 हजार रुपए की सहायता दी गई। किसानों के हितों में अलग से कृषि बजट पेश करने वाला भी राजस्थान एकमात्र राज्य है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 22 लाख किसानों का कर्ज माफ किया गया है। किसानों की भूमि को कुर्की से रोकने के लिए कानून पास किया गया है। पशुपालकों को 5 रुपए प्रति लीटर दुग्ध पर अनुदान दिया जा रहा है।

भारत की अध्यक्षता में हुई जी-20 शिखर बैठक के पहले ही दिन नई दिल्ली घोषणा पत्र पर सभी सदस्य देशों की सहमति बन गई। यह भारत की एतिहासिक उपलब्धि है। अफ्रीकन यूनियन को नया सदस्य बनाया गया है। इसके बाद जी-20 अब जी-21 बन गया है, जिसमें 19 देश और दो यूनियन हैं। यूरोपीय यूनियन व अफ्रीकन यूनियन। 55 देशों के समूह अफ्रीकन यूनियन के आने से अब जी-20 संयुक्त राष्ट्र से भी अधिक ताकतवर ग्लोबल मंच बन गया है। नई दिल्ली घोषणा पत्र के मुताबिक जी-21 के सदस्य टिकाऊ, हरित व समावेशी विकास के पथ पर आगे बढ़ेंगे, वन फ्यूचर व बायो फ्यूल अलायंस बनाएंगे, बहुपक्षीय बैंकिंग संस्थान बनाएंगे, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करेंगे, महिला सशक्तिकरण व लैंगिक समानता को बढ़ावा देंगे, क्रिप्टोकरेंसी को लेकर एक ग्लोबल पॉलिसी बनाएंगे, आतंकवाद, टेरर फाइनेंसिंग व मनी लांड्रिंग के खिलाफ लड़ेंगे और मानव केंद्रित समावेशी विश्व का निर्माण करेंगे। एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य के लक्ष्य के साथ यूएन चार्टर के नियमों के अनुरूप काम करने का जी-20 का संकल्प नियम आधारित विश्व के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने वाली पहल है। जी-20 शिखर बैठक की उपलब्धियों, इसकी मेजबानी से भारत को वैश्विक फायदा और भू-राजनीति पर पड़ने वाले असर का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

वैश्विक-भरोसा कायम करने में जी-20 सफल

विश्लेषण

प्रमोद जोशी
वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली जी-20 लीडर्स घोषणा पत्र पर आम सहमति बनी है। घोषणापत्र पर आमराय बनना और अफ्रीकन यूनियन को समूह का इक्कीसवाँ सदस्य बनाना इस सम्मेलन की उपलब्धियाँ हैं। ऐसा लगता है कि भारत की सहायता करने के लिए पश्चिमी देशों ने अपने रुख में थोड़ी नरमी भी बरती है। पिछले साल 1 दिसंबर को जब जी-20 समूह की अध्यक्षता एक साल के लिए भारत के पास आई थी, तभी स्पष्ट था कि यह अध्यक्षता बड़े चुनौती भरे समय में भारत को मिली है। दुनिया तेजी से दो ध्रुवों में बँटती जा रही है। बाली सम्मेलन में घोषणापत्र की शब्दावली को तय कर पाना मुश्किल हो गया था। शी चिनफिंग का निशाना भारत नहीं अमेरिका है। इस सम्मेलन में भारत के राजनय की दिशा स्पष्ट हो रही है। जी-7 की तुलना में जी-20 का आधार ज्यादा बड़ा है। संयुक्त राष्ट्र को अलग कर दें, तो जी-20 ही ऐसे व्यापक आधार वाला समूह है। इसमें रूस-चीन और पश्चिमी देश आमने-सामने बैठ सकते हैं। ऐसे समूह से कटने का मतलब है वैश्विक-राजनय से दूर जाना। बेशक रूस और चीन की इस सम्मेलन में उपस्थिति है, पर वे शिखर-संवाद से दूर हो गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने हाल में एक इंटरव्यू में कहा कि जी-20 में भारत की भूमिका की पृष्ठभूमि को समझिए। दुनिया भारत के मानव-केंद्रित विकास मॉडल पर ध्यान दे रही है। नई दिल्ली में आयोजित जी-20 के इस 18वें सम्मेलन के सफल आयोजन से विश्व में भारत पर भरोसा बढ़ा है, भारत के एजेंडों को ग्लोबल एजेंडे के रूप में मान्यता मिली है।

लीडर्स घोषणा पत्र पर आमराय बन जाने के साथ जी-20 का नई दिल्ली शिखर सम्मेलन पूरी तरह से सफल हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ख़ुद इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, हमारी टीम के हार्ड वर्क से और आप सभी के सहयोग से नई दिल्ली जी-20 लीडर्स घोषणा पत्र पर आम सहमति बनी है। घोषणापत्र पर आमराय बनना और अफ्रीकन यूनियन को समूह का इक्कीसवाँ सदस्य बनाना इस सम्मेलन की उपलब्धियाँ हैं। ऐसा लगता है कि भारत की सहायता करने के लिए पश्चिमी देशों ने अपने रुख में थोड़ी नरमी भी बरती है। सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत हालांकि शनिवार को हुई, पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के भारत की ज़मीन पर आगमन के साथ ही समां बन गया था। हवाई जहाज से उतरते ही वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर पहुँचे, जो अपने आप में असाधारण गतिविधि है। देर रात हुई द्विपक्षीय-वार्ता और उसके बाद ज़ारी संयुक्त बयान से भारत-अमेरिका रिश्तों, वैश्विक-राजनीति की दिशा और जी-20 की भूमिका इन तीनों बातों पर रोशनी पड़ी है। सम्मेलन का मूल-स्वर इसी मुलाक़ात से स्थिर हुआ है। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अनुपस्थिति ने कुछ अनिश्चय जरूर पैदा किए, पर सम्मेलन सफल हो गया।

चुनौती भरा समय

पिछले साल 1 दिसंबर को जब जी-20 समूह की अध्यक्षता एक साल के लिए भारत के पास आई थी, तभी स्पष्ट था कि यह अध्यक्षता बड़े चुनौती भरे समय में भारत को मिली है। दुनिया तेजी से दो ध्रुवों में बँटती जा रही है। बाली सम्मेलन में घोषणापत्र की शब्दावली को तय कर पाना मुश्किल हो गया था। शी चिनफिंग का निशाना भारत नहीं अमेरिका है। इस सम्मेलन में भारत के राजनय की दिशा स्पष्ट हो रही है। जी-7 की तुलना में जी-20 का आधार ज्यादा बड़ा है। संयुक्त राष्ट्र को अलग कर दें, तो जी-20 ही ऐसे व्यापक आधार वाला समूह है। इसमें रूस-चीन और पश्चिमी देश आमने-सामने बैठ सकते हैं। ऐसे समूह से कटने का मतलब है वैश्विक-राजनय से दूर जाना। बेशक रूस और चीन की इस सम्मेलन में उपस्थिति है, पर वे शिखर-संवाद से दूर हो गए।

भारतीय दृष्टिकोण

यह सम्मेलन भारत और चीन के रिश्तों में बढ़ती कड़वाहट को भी रेखांकित कर रहा है। पूर्वी लद्दाख के घटनाक्रम के कारण रिश्ते पहले से ही बिगड़े हुए हैं। भारत के सामने दूसरी चुनौतियाँ भी हैं। इसकी वजह है शीतयुद्ध जैसी स्थितियों का बनना। फिर भी वैश्विक-घटनाचक्र पर अब भारत का दृष्टिकोण ज्यादा स्पष्ट हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल में एक इंटरव्यू में कहा कि जी-20 में भारत की भूमिका की पृष्ठभूमि को समझिए। दुनिया भारत के मानव-केंद्रित विकास मॉडल पर ध्यान दे रही है। जिस देश को सिर्फ एक बड़े बाजार के रूप में देखा जाता था, वह वैश्विक चुनौतियों के समाधान का हिस्सा बन गया है। भारत किसी सैनिक-गठबंधन में शामिल नहीं होगा, पर सामरिक-दृष्टि से संतुलित फैसला लेगा।

घोषणापत्र पर काम

फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती जी-20 के घोषणापत्र की थी, जो अब जारी हो गया है। ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका ने इस काम में सहायता की और भारत सर्वसम्मत घोषणापत्र तैयार करने में सफल रहा। अभी तक सभी शिखर सम्मेलनों के बाद घोषणापत्र जारी होते रहे हैं। यूक्रेन जंग के चलते पिछले साल के बाली सम्मेलन में पहली बार बगैर घोषणापत्र के सम्मेलन समाप्त होने की नौबत आ गई थी। हाल में ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने चीन पर आरोप लगाया था कि वह यूक्रेन सहित बहुत से मसलों पर समझौते में अड़ंगा लगा रहा है। इसपर चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा है कि जी-20 शिखर सम्मेलन की सकारात्मक उपलब्धियों के लिए चीन सभी संबद्ध पक्षों के साथ काम करने को तैयार है।

आमराय में अड़चनों को किया दूर

रूस और चीन चाहते थे कि या तो यूक्रेन-युद्ध का जिक्र हो ही नहीं और यदि हो, तब हमारा-दृष्टिकोण भी उसमें शामिल हो। इसमें युद्ध का जिक्र हुआ, पर किसी का नाम नहीं आया। जलवायु परिवर्तन में वित्तीय सहायता और कर्ज भुगतान को लेकर साझा बयान के मसौदे को लेकर असहमतियाँ थीं, जिन्हें दूर कर लिया गया। भारतीय डिप्लोमेसी को एक बड़ी सफलता अफ्रीकन यूनियन को लेकर मिली है, जिसे जी-20 में शामिल करने पर सहमति बन गई है। अफ्रीका के 55 देशों का संगठन इस समूह में दूसरा क्षेत्रीय-संगठन होगा। इसके पहले यूरोपियन यूनियन इसका सदस्य है।

अफ्रीकी देशों का महत्व

अफ्रीका संभावनाओं का क्षेत्र है, जहाँ आने वाले वर्षों में आर्थिक-गतिविधियाँ बढ़ेंगी। इन देशों के पास संसाधन कम हैं। उन्हें अपना इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के साथ पूँजी और तकनीकी सहायता दोनों की जरूरत है। चीन अपने बॉर्डर रोड इनीशिएटिव (बीआरआई) को लेकर अफ्रीका गया है। जी-7 देशों ने बीआरआई के जवाब में 'बिल्ड बैक बैटर वर्ल्ड' (बी3डब्ल्यू) प्लान तैयार किया है। इसका उद्देश्य विकासशील देशों में इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना है। करीब 40 ट्रिलियन डॉलर का यह कार्यक्रम चीन के बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव (बीआरआई) का विकल्प है। चीन को अपना औद्योगिक आधार बनाए रखने के लिए सबसे बड़ी जरूरत खनिजों की है। इसके लिए चीन ने अफ्रीका को अपना ठिकाना बनाया है। खनिजों के अलावा पूँजी निवेश और सामरिक दृष्टि से भी अफ्रीका महत्वपूर्ण क्षेत्र है। चीन की नजरें सूडान/दक्षिण सूडान, अंगोला और नाइजीरिया जैसे प्रचुर तेल-भंडारों वाले देशों पर रही हैं। अफ्रीका में कोबाल्ट खनन पर चीन का एकाधिकार है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार 2040 तक स्वच्छ-ऊर्जा तकनीकों के विकास के लिए 2020 में उपलब्ध लीथियम के 40 गुना, 25 गुना ग्रेफाइट और करीब 20 गुना निकेल और कोबाल्ट की जरूरत होगी। विंड टर्बाइन मैग्नेट्स से लेकर लड़ाकू विमानों तक में इस्तेमाल होने वाले रेयर अर्थ पदार्थ की सात गुना ज्यादा जरूरत होगी।

चीन से प्रतिस्पर्धा

थिंकटैंक ब्रुकिंग्स के अनुसार 15 साल तक चीन खुलकर इस संपदा पर कब्जा करता रहा और दुनिया सोती रही। अब अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर इस वर्चस्व को तोड़ने की कोशिश कर रहा है। नब्बे के दशक के वैश्वीकरण का सबसे बड़ा फायदा चीन को मिला। पश्चिमी देशों के पूँजी निवेश के कारण उसकी अर्थव्यवस्था का तेज विस्तार हुआ। पश्चिम को शुरुआती वर्षों में चीन का उदय अपने पक्ष में जाता नज़र आता था, पर ऐसा हुआ नहीं। सामरिक और आर्थिक, दोनों मोर्चों पर चीन आज पश्चिम के सबसे बड़े प्रतिस्पर्धी के रूप में उभर कर आया है।

सप्लाई-चेन

पश्चिमी पूँजी और तकनीक के सहारे खड़े हुए चीनी कारखानों का माल आज दुनिया के बाजारों में भरा पड़ा है। तमाम देशों की आर्थिक गतिविधियाँ चीनी सप्लाई-चेन पर आश्रित हैं। पश्चिमी उद्योग जगत ने चीन की खोज दुनिया के कारखाने के रूप में की थी, जहाँ सस्ती मजदूरी और सरकारी संरक्षण की मदद से वे माल हासिल करें। अब एशिया-प्रशांत क्षेत्र के कुछ देशों को उसके विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। ये देश हैं जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, फिलीपींस, ब्रूनेई, मलेशिया, इंडोनेशिया, वियतनाम, लाओस, कंबोडिया, थाईलैंड, सिंगापुर, बांग्लादेश और भारत। वर्तमान स्थितियों में इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्यात में ये 14 देश भी कुल मिलाकर चीन के बराबर नहीं हैं। अलबत्ता यह कारोबार अब चीन से निकलकर दूसरे देशों में जा रहा है। ताइवान की फॉक्सकॉन, पेगाट्रॉन और विस्ट्रॉन ने, जो एपल के गैजेट्स को असेंबल करती हैं, भारत में काफी निवेश किया है।

'ग्लोबल-साउथ'

भारतीय राजनय की सफलता तभी साबित होगी, जब भारत को 'ग्लोबल-साउथ' की आवाज़ मान लिया जाएगा। 'ग्लोबल-साउथ' का मतलब है अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के विकासशील और अल्प-विकसित देश। सबसे बड़ी चुनौती इन देशों को आर्थिक-विकास की धारा से जोड़ने की है। चीन की दिलचस्पी भी 'ग्लोबल-साउथ' का राजनीतिक दोहन करने की है। अमेरिका और जापान जैसे देश चाहते हैं कि 'ग्लोबल-साउथ' को वैश्विक-राजनीति के केंद्र में लाने का श्रेय भारत को मिले।

भारत-अमेरिका संवाद

जोसफ बाइडेन के साथ शुक्रवार की रात पीएम मोदी की करीब 52 मिनट तक मुलाक़ात चली। संयुक्त बयान में 28 बिंदुओं को समेटा गया है। राष्ट्रपति बाइडन ने भारत की जी-20 अध्यक्षता की सराहना की कि कैसे एक मंच के रूप में जी-20 अहम परिणाम दे रहा है। दोनों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और लचीले हिंद-प्रशांत क्षेत्र का समर्थन करने में क्वाड के महत्व की पुष्टि की। मोदी ने 2024 में भारत में होने वाले क्वाड सम्मेलन के लिए यूएस राष्ट्रपति को न्योता दिया। अमेरिका ने सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सीट देने का समर्थन किया। चंद्रयान-3 और सौर मिशन आदित्य की सफलता और दोनों देशों के समानव अंतरिक्ष-कार्यक्रम और सेमीकंडक्टर की वैश्विक सप्लाई-चेन का उल्लेख भी इस बयान में है।

भारत की कूटनीतिक कामयाबी

जी-20

प्रभात कुमार रॉय
कूटनीति विशेषज्ञ

दुनिया की 80 प्रतिशत जीडीपी 70 प्रतिशत व्यापार और 60 प्रतिशत आबादी वाले मुल्कों का एक समूह है जी-20। वसुधैव कुटुंबकम की भाव भंगिमा और एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य की हुंकार के साथ नई दिल्ली में भारत की अध्यक्षता में 9 और 10 सितंबर को जी-20 का 18 वां शिखर सम्मेलन संचालित हो रहा है। यह शिखर सम्मेलन वस्तुतः विश्व के दिग्गज नेताओं के लिए विकट चुनौती बनकर उभरा है। कड़ी कूटनीतिक चुनौती है कि क्या जी-20 शिखर सम्मेलन अपनी ऐतिहासिक रिवायत के मुताबिक कोई संयुक्त बयान जारी कर सकेगा अथवा नहीं कर सकेगा? उल्लेखनीय है कि वैश्विक आर्थिक संकटों का संयुक्त तौर पर एकजुट होकर मुकाबला करने के लिए वर्ष 1999 में जी-20 की बुनियाद रखी गई थी। इस वर्ष जी-20 की अध्यक्षता कर रहा, भारत वस्तुतः इस लक्ष्य के लिए कड़ी कूटनीतिक मेहनत करता रहा है कि नई दिल्ली का सम्मेलन के समापन पर सदैव की तरह से एक संयुक्त घोषणापत्र के साथ किया जा सके। यूक्रेन युद्ध के विकट प्रश्न को लेकर जी-20 के प्रमुख भागीदार देश वस्तुतः दो खेमों में विभाजित हो चुके हैं। यूक्रेन युद्ध की काली छाया विगत वर्ष भी इंडोनेशिया में आयोजित सम्मेलन पर भी मंडराती रही थी, किंतु आखिरकार जी-20 सम्मेलन एक संयुक्त घोषणापत्र जारी करने में कामयाब सिद्ध हो गया था। विगत सम्मेलन के घोषणापत्र में यूक्रेन युद्ध के कारण जी-20 के भीतर उत्पन्न असहमति का केवल उल्लेख किया गया था।

निंदा पर आमादा

नई दिल्ली के जी-20 सम्मेलन में अमेरिका और पश्चिम यूरोप के राष्ट्र यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को जिम्मेदार करार देकर उसकी स्पष्ट तौर निंदा करने पर आमादा हो रहे हैं। रूस और चीन और उनके सहयोगी देश यूक्रेन युद्ध पर पश्चिम के निंदा प्रस्ताव के विरुद्ध संयुक्त तौर पर अड़े हुए हैं। जी-20 सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति पुतिन और चीन के राष्ट्रपति ने स्वयं उपस्थित नहीं होकर और अपने प्रतिनिधियों को भेजकर स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है। उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष के प्रारम्भ में जी-20 के विदेश मंत्रियों और वित्त मंत्रियों की विशिष्ट बैठक भी बिना किसी संयुक्त घोषणा पत्र के साथ समाप्त हो गई थी। अगर जी-20 की मीटिंग और सम्मेलन में कोई संयुक्त सहमति और साझा लक्ष्य ही नहीं तय हो पाता तो फिर क्या कहा जा सकता था कि जी-20 सम्मेलन में भी संयुक्त राष्ट्र की बैठकों की तरह से ही मिल बैठने का किसी औपचारिकता को अंजाम दे रहा है अथवा कोई अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक तकल्लुफ निभाया जा रहा है, लेकिन जी-20 सम्मेलन साझा घोषणापत्र जारी हो गया है और सहमति भी बन गई है, यह बहुत बड़ी कामयाबी है और साथ ही भारत की अध्यक्षता में जी-20 शिखर सम्मेलन के परस्पर विरोधी देशों के प्रतिनिधियों का पधारना ही भारतीय कूटनीति

की जबरदस्त कामयाबी है।

अहम कूटनीतिक कोशिश

नई दिल्ली में भारत की अध्यक्षता और मेजबानी में आयोजित 18वें जी-20 सम्मेलन में भारत की सबसे अहम कूटनीतिक कोशिश है, कि यूक्रेन युद्ध के विकट विकराल बवंडर में ग्लोबल साउथ और विकासशील विश्व के गंभीर मुद्दे और संजीदा सवाल सम्मेलन में कहीं पटरी से ही उतर नहीं जाए, जिन पर मुद्दों पर भारत विशिष्ट तौर पर सम्मेलन में चर्चा कराना चाहता है मुख्य मुद्दे हैं, विकासशील देशों का आर्थिक विकास, स्वच्छ पर्यावरण, शिक्षा और स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद आदि। इन वैश्विक महत्व के विषयों पर जी-20 सम्मेलन को गहरा सरोकार रखना चाहिए। जी-20 के अध्यक्ष भारत का खास प्रस्ताव रहा कि अफ्रीकन यूनियन को यूरोपियन यूनियन की तर्ज औ तरीके पर जी-20 का सदस्य बना दिया जाए। भारत की अध्यक्षता में अफ्रीकन यूनियन को जी-20 की सदस्यता बाकायदा हासिल हो गई है। अफ्रीकन यूनियन के जी-20 सदस्य बनाए जाने से भारत की स्थिति यकीनन जी-20 में शक्तिशाली हो गई है और अफ्रीका में चीन के विस्तारवाद पर समुचित लगाम लगेगी। भारत ग्लोबल साउथ का नेतृत्व कर रहा है, जिसमें अफ्रीकन यूनियन का विशेष महत्व है। उल्लेखनीय है कि चीन को ग्लोबल साऊथ में शामिल नहीं किया जाता है। जी-20 सम्मेलन के लिए शुक्रवार 8 सितंबर को अनेक देशों के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नई दिल्ली पधारे। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन जी-20 के अध्यक्ष भारत के प्रधानमंत्री द्वारा विशेष महत्व प्रदान किया गया। तकरीबन वैसा ही विशेष महत्व जैसा कि कभी डोनॉल्ड ट्रंप को प्रदान किया गया था। राष्ट्रपति जो बाइडेन को एयरपोर्ट से सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासकीय आवास ले जाया गया। दोनों लीडरों के मध्य एक घंटा आठ मिनट द्विपक्षीय वार्ता संपन्न हुई और अमेरिकन व्हाइट हाउस से एक साझा बयान जारी किया गया, जिसमें कहा गया कि भारत और अमेरिका के संबंध उत्तरोत्तर शक्तिशाली हो रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी पर अमेरिकन समर्थन को दोहराया गया। साझा बयान में भारतीयों के लिए अमेरिकन वीजा शर्तों आसान बनाने का जिक्र तक नहीं है। वीजा के लिए पायलट प्रोजेक्ट प्रारम्भ किया जाना था, ताकि भारतीयों की वीजा अवधि समाप्त होने पर उनको भारत वापस नहीं लौटना पड़े और अमेरिका में रहते हुए ही वे अपने वीजा का नवीनीकरण करा सकें। इस प्रस्तावित वीजा पायलट प्रोजेक्ट का जिक्र तक इस बयान में नहीं है। इस साझा बयान में अधिकतर वहीं बाते दोहरा दी गई हैं, जिन पर पहले ही भारत और अमेरिका के मध्य सहमति बन चुकी है।

अमेरिका की चाह

वस्तुतः अमेरिका चाहता है कि यूक्रेन युद्ध के प्रश्न पर भारत रूस का दामन छोड़कर पश्चिम का साथ दे। भारत वस्तुतः यूक्रेन युद्ध के प्रश्न पर अपना तटस्थ कूटनीतिक स्थिति को त्यागने के लिए कदापि उत्सुक नहीं है। अमेरिका से रणनीतिक निकटता स्थापित होने कदाचित अर्थ नहीं है कि भारत अपने सबसे विश्वसनीय ऐतिहासिक दोस्त रूस को अपना शत्रु बना बैठे। आज के दौर में दुनिया दूसरे दौर के शीत युद्ध में दाखिल हो चुकी है, विश्व पटल पर अपना तटस्थ कूटनीतिक संतुलन कायम बनाए रखना, भारत के लिए सबसे कड़ी कूटनीतिक चुनौती है। भारत की अमेरिका के साथ क्वाडिलैटरल डायलॉग पर रणनीतिक निकटता चीन को बेहद खलती रही है। जबकि क्वाडिलैटरल डायलॉग का सैन्यीकरण अंजाम देने से भारत ने साफ इंकार किया है। वस्तुतः विस्तारवादी चीन ने भारत को अपना दुश्मन मान लिया है। शी चिनफिंग का जी-20 सम्मेलन में नहीं आना इस तथ्य का स्पष्ट कूटनीतिक संकेत है कि चीनी शासकों के मन भारत की उभरती हुई कूटनीतिक और रणनीतिक शक्ति के प्रति वैमनस्य का भाव निहित है।

बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार जरूरी

सम्मेलन

डॉ. एन.के. सोमानी
शिक्षाविद व विदेश मामलों के जानकार

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की जी-20 की अध्यक्षता मौजूदा विश्व व्यवस्था में भारत को एक ऐसे मुकाम पर खड़ा कर रही है, जहां से वह जलवायु परिवर्तन, व्यापार संरक्षणवाद और भू-राजनीतिक तनावों के समाधान का मार्ग दुनिया को दिखाती हुई नजर आ रही है, लेकिन सवाल यह है कि जी-20 के उद्देयों की प्राप्ति के लिए बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार के लिए भारत ने जो मूहिम शुरू की है, नई दिल्ली शिखर बैठक में वह किसी ठोस निष्कर्ष तक पहुंच सकेगी या हर बार की तरह केवल चर्चा और उपदेशों तक ही सिमट कर रह जाएगी।

चर्चा का विषय

पिछले डेढ़-दो दशकों से इस बात की चर्चा लगातार बल पकड़ रही है कि संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में कई बहुपक्षीय संस्थान बदलते हुए भू-राजनीतिक परिदृश्य में तालमेल बैठाने में असफल हुए हैं। ये संस्थान बड़ी शक्तियों के बीच आम सहमति विकसित करने और संघर्ष को रोकने में विफल रहे हैं। ऐसी ही एक संस्था संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) है। ग्लोबल पर्सपेक्टिव में इस स्पेस को भरने के लिए हाल के दौर में कई वैकल्पिक समूहों का उभार हुआ है। इनमें से कई ऐसे समूह हैं, जिनमें भारत न केवल शामिल है, बल्कि अहम भूमिका में है। अब चूंकि, जी-20 शिखर बैठक की मेजबानी भारत के पास है और भारत लंबे समय से यूएनएससी की परमानेंट सीट के लिए दावा कर रहा है। भारत के अलावा, ब्राजील, जर्मनी और जापान भी स्थायी सदस्यता का दावा कर रहे हैं, लेकिन 'कॉफी क्लब' (यूएनएससी में सुधार का विरोध करने वाले राष्ट्रों का अनौपचारिक समूह) के अड़यिल रुख के कारण इन देशों को परमानेंट सीट नहीं मिल पा रही है। ऐसे में दिल्ली शिखर बैठक में संयुक्त राष्ट्र में सुधार को लेकर क्या कोई रोडमैप निकल कर आता है, यह अपने आप में अहम है।

सुधार की कवायद बेकार

1945 में जिस समय संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की हुई थी उस समय संयुक्त राष्ट्र में 51 और सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी और छह निर्वाचित अस्थायी कुल 11 सदस्य थे। साल 1965 में महासभा ने संकल्प 1991 पारित कर चार्टर में संशोधन करते हुए अस्थायी सदस्यों की संख्या 6 से बढ़ाकर 10 कर दी और सदस्य देशों को भौगालिक आधार पर प्रतिनिधित्व देने का प्रावधान किया गया। ये बदलाव एक सीमा तक तो उपयोगी साबित हुआ लेकिन पी-5 (पांच परमानेंट सदस्य) की वीटो पावर में संशोधन न किए जाने के कारण सुधार की पूरी कवायद बेकार हो गई। यूएनएससी में न्यायसंगत प्रतिनिधित्व का सवाल और सदस्यता में वृद्धि का मुद्दा यूएन की वार्षिक बैठकों में हमेशा उठता रहा

है। भारत सहित दुनिया के कई अन्य देश इस बात की मांग करते आए हैं कि बदलती वैश्विक व्यवस्था के अनुरूप यूएनएससी में सुधार कर भारत, ब्राजील, जापान और जर्मनी को स्थायी सदस्य बनाया जाए, लेकिन महासभा किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाई है। इसका नतीजा यह हुआ कि पिछले छह दशकों से चार्टर में सुधार को लेकर कोई कदम नहीं उठाया जा सका है।

सदस्यता पर कोई गभीर नहीं

पिछले दिनों भारत के दौरे पर आए संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष साबा कोरोसी भी भारत के दावे का समर्थन करते हुए भारत को स्थायी सदस्यता देने की बात कही थी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ समिट में कहा था कि संयुक्त राष्ट्र 1945 में बनाया गया एक 'फ्रोजेन मैकेनिज्म' बनकर रह गया है। एस. जयशंकर ने तो यहां तक कह दिया है कि यूएनएससी पांच लोगों की तरह है, जो ट्रेन के प्रथम श्रेणी के डिब्बे में बैठे हैं, और नहीं चाहते कि अन्य लोग उसमें प्रवेश करें। उन्होंने टिकट की कीमत बढ़ाने और अन्य प्रतिबंध जैसी बाधाएं डाल दी है। सच तो यह है कि यूएन में सुधार की भारत की मांग को यूएनएससी की स्थायी सदस्यता पाने की आकांक्षा से जोड़कर देखा जाता रहा है। इसका परिणाम यह हुआ कि अलग-अलग मौकों पर विभिन्न देश संयुक्त राष्ट्र की स्थायी सदस्यता दिलाने में भारत को समर्थन का आश्वासन तो देते रहे हैं, लेकिन वे इस मसले पर गंभीर नहीं हुए हैं।

भारत को जरूरत नहीं

जहां तक यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता का सवाल है, मैं समझता हूं भारत को इस मामले में ज्यादा लामबंदी की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज जहां भारत खड़ा है, वहां उसे यूएनएससी की नहीं बल्कि यूएनएससी को भारत की जरूरत होनी चाहिए। आज भारत 1945 वाला भारत नहीं है। आज वह दुनिया की सबसे बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी ताकत और चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहलकदमी करने वाला पहला देश बल चुका है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को गंभीरता से लिया जाता है। सार्क, आसियान, बिम्सटेक, एससीओ, ईब्सा, ब्रिक्स, क्वाड, जी-20 जैसे संगठन वर्तमान वैश्विक व्यवस्था को किसी न किसी रूप में प्रभावित करते हैं, भारत इन संगठनों में अहम भूमिका में है। ऐसे में यूएनएससी की परमानेंट सीट पर भारत के होने का मतलब यूएनएससी के सम्मान में वृद्धि होना है। दूसरा, जिस तरह से पूरी यूएनएससी पर पी-5 देशों का नियंत्रण है, उसे देखते हुए भी भारत जैसे बड़े देश के लिए यह आकर्षण का कोई खास केन्द्र नहीं होना चाहिए। जब तक यूएन चार्टर में परिवर्तन कर वीटो प्रक्रिया को वोटिंग प्रकिया में नहीं बदला जाता तब तक सुरक्षा परिषद से उसकी वास्तविक भूमिका की उम्मीद नहीं की जा सकती है। यूक्रेन युद्ध ने इस अंतरराष्ट्रीय संस्था की बढ़ती हुई अप्रासंगिकता को एक झटके में उजागर कर दिया। पूरी दुनिया गवाह है कि कैसे यूएनएससी के एक परमानेंट मेम्बर (रूस) ने अपने पड़ोसी देश पर आक्रमण करके उसकी क्षेत्रीय अखंडता से खिलवाड़ किया और दुनिया की 'पुलिस मैन' कहलाने वाली संस्था मूकदर्शक बनी रही।

मुगालते में कुछ देश

संक्षेप में कहें तो बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में आज भी कुछ देश इस मुगालते में हैं कि दुनिया उनकी जेब में है और वे इसको जैसे चाहे चला सकते हैं, लेकिन शायद वे नहीं जानते हैं कि वैश्विक पटल पर दुनिया की जिम्मेदारियां संभालने की क्षमता और इच्छा रखने वाली नई शक्तियों का उभार हो चुका है। दिल्ली शिखर बैठक में जी-20 देश अगर इस सच्चाई को स्वीकार कर यूएन जैसी संस्थाओं के संगठनात्मक ढाचें में सुधार के लिए कोई रोडमैप ला पाते हैं, तो यह वैश्विक शांति की दिशा में एक बड़ा कदम होगा ।

अगर सही प्लानिंग की तो आराम से कटेगी जिंदगी

सुझाव | बिजनेस डेस्क

जिस उम्र में लोग इंक्रीमेंट और प्रमोशन के लिए अधिकारियों को खुश करने में लगे रहते हैं, अगर उस उम्र में आप खुशी-खुशी रिटायर होने की प्लानिंग करना चाहते हैं तो इसके लिए सिर्फ खर्च पर कंट्रोल कर अपने गोल निर्धारित करनें होंगे। इस तरह आप बेहरीन प्लानिंग कर 35 साल की उम्र में भी आराम से रिटायर हो सकते हैं। इस काम में काई बड़ी मुश्किल भी नहीं है।

अगर आप समय पहले रिटायरमेंट लेकर सफल जीवन जीना चाहते हैं तो आपको एक सधी शुरूआत करनी होगी और 22 साल की उम्र से ही प्लानिंग शुरू करनी होगी। तभी आप 35 साल की उम्र में रिटायरमेंट लेकर बाकी जिंदगी चैन से काट सकेंगे। यह काम इतना मुश्किल लगता है कि 100 में 90 लोग तो ऐसा सोचते भी नहीं हैं, लेकिन, इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसा तरीका बताने जा रहे हैं कि अगर आप 22 साल की उम्र में नौकरी शुरू करते हैं तो सिर्फ 13 साल में ही करोड़ों का फंड बना लेंगे और बाकी का जीवन आराम से बिता पाएंगे।

यह रखें ध्यान

आपको यहां ध्यान रखना होगा कि अगर आप 35 साल में ही रिटायर होना चाहते हैं और बाकी जिंदगी सिर्फ जुटाए गए पैसों पर ही ऐश करना है तो अभी न सिर्फ अग्रेसिव निवेश करना होगा, बल्कि निवेश की रकम भी ज्यादा होनी चाहिए। ऐसे में आपको निवेश की शुरुआत तत्काल करने के साथ उसे हर साल बढ़ाना भी बढ़ेगा, ताकि कम समय में आपको ज्यादा से ज्यादा रकम जुटाने में मदद मिल सके।

खर्चों पर रखें कंट्रोल

35 साल की उम्र में रिटायर होने के लिए आपको सबसे पहला काम अपने खर्चों पर कंट्रोल करना सीखना होगा। बाहर ज्यादा खाने से बचें, जिससे आपका पैसा और सेहत दोनों सेफ रहेंगे। जरूरत की चीजों पर ही अपना पैसा लगाएं और कोशिश करें कि ज्यादा से ज्यादा पैसा निवेश करें, ताकि आप 35 साल की उम्र तक अपने लिए अच्छा खासा कॉर्पस जुटाकर रिटायरमेंट का आनंद ले सकें।

पहले तय करें जरूरतें

रिटायरमेंट का लक्ष्य करने के लिए आपको सबसे पहले रिटायरमेंट के बाद की जरूरतें तय करनी होंगी। मान लीजिए अभी आपकी उम्र 22 साल है और आप 35 साल में ही रिटायर होना चाहते हैं। इसका मतलब है कि आपके पास महज 13 साल हैं, कॉर्पस तैयार करने के लिए. अगर 22 साल की उम्र में आपकी हर महीने कमाई 10 हजार डॉलर (करीब 81 हजार रुपये) है, जिसमें सालाना 5 फीसदी की औसत ग्रोथ भी देख रहे हैं।

ऐसे समझें

इसके अलावा आप अपनी लाइफ औसतन 85 साल जीने का अनुमान लगा रहे। इनवेस्टमेंट टेन्योर में आपको 12 फीसदी सालाना रिटर्न की उम्मीद है, जबकि 6 फीसदी की महंगाई दर रहने का भी अनुमान लगा रहे हैं। रिटायरमेंट के बाद आपको अपने मौजूदा सैलरी का 60 फीसदी खर्च के लिए चाहिए।

रिटायरमेंट पर कितना पैसा चाहिए

अगर आप ऊपर दी गई कंडीशंस का आभास लगाते हैं तो आपको रिटायरमेंट के बाद 2.07 लाख डॉलर (करीब 1.68 करोड़ रुपये) का कॉर्पस चाहिए होगा। इस कॉर्पस को तैयार करने के लिए आपको अपनी मौजूदा सैलरी का 58 फीसदी हिस्सा निवेश करना होगा। यह इनवेस्टमेंट इक्विटी वाले म्यूचुअल फंड में करना सही रहेगा, जो 10 साल से ज्यादा के निवेश पर आपको आराम से 12 फीसदी का रिटर्न दे देते हैं। इस तरह आपको सिर्फ 13 साल में काम करके रिटायर होने के लिए हर महीने 47,385 रुपये का निवेश करना होगा।

यह कर सकेंगे

आप यह कॉर्पस बनाने में तैयार हो जाते हैं तो हर महीने 1,066 डॉलर (करीब 86,346) रुपये की निकासी कर सकेंगे। आपने 85 साल तक जीने का अनुमान लगाया है और महंगाई के सापेक्ष अगर पर्चेजिंग पॉवर का अनुमान लगाया जाए तो यह रकम मौजूदा समय के 500 डॉलर के बराबर होगी। इस तरह आप देख सकते हैं कि अगर आप 22 साल की उम्र में ही रिटायरमेंट की पुख्ता प्लानिंग पर काम शुरू कर दें तो निश्चित तौर पर आपके पास मोटा पैसा इकट्ठा हो जाएगा।

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

ब्लूचिप-मिडकैप स्टॉक बनाते हैं पोर्टफोलियो को 'दमदार'

इन फंडों में पांच साल या इससे अधिक समय के लिए निवेश करना बेहतर

बाजार की रैली में मिडकैप हाई रिटर्न दे सकते हैं, जो आपके लिए काफी लाभदायक हो सकते हैं। निवेशकों को मिल सकता है बेहतर रिटर्न

यदि आप भी शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं तो अपने पोर्टफालियों को ब्लूचिप और मिडकैप स्टॉक से मजबूत बना सकते हैं। इससे आप आराम से निवेश कर अच्छा रिटर्न पा सकते हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि ब्लूचिप यानी लार्जकैप शेयरों को लेकर ऐसा मानना है कि इनमें बाजार के उतार चढ़ाव से निपटने की मजबूत क्षमता होती है और लंबी अवधि में स्टेबल रिटर्न देते हैं। ये इक्विटी की अन्य कैटेगरी के मुकाबले सुरक्षित माने जाते हैं। वहीं, मिडकैप स्टॉक्स की खासियत यह है कि बाजार की रैली में ये हाई रिटर्न दे सकते हैं। वैसे तो आपको देनों कैटेगरी के स्टॉक चाहिए तो उनमें अलग-अलग निवेश करना होगा, लेकिन एक तरीका यह भी है कि आप लार्जकैप एंड मिडकैप म्यूचुअल फंड स्कीम में पैसा लगाएं, जिसके जरिए आपके पोर्टफोलियो में दोनों तरह के स्टॉक शामिल हो जाएंगे। इससे निवेशक को डाइवर्सिफिकेशन का भी बेनेफिट मिलेगा। लार्ज एंड मिडकैप फंड स्कीम में ब्लूचिप और मिडकैप कंपनियों के स्टॉक शामिल होते हैं। यह सिर्फ लार्ज कैप फंड या सिर्फ मिडकैप फंड में निवेश करने की तुलना में बेहतर विकल्प हैं। इस तरह से निवेश आप अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं और इसमें रिश्क भी कम रहेगा।

खास बातें

- पांच साल में 20 से 25% सालाना रिटर्न देन में सक्षम
- लार्ज एंड मिडकैप फंड का फोकस 250 कंपनियों के स्टॉक पर
- पोर्टफोलियो को स्थिरता देने के साथ बेहतर ग्रोथ भी देते हैं
- बाजार के उतार चढ़ाव से निपटने की मजबूत क्षमता
- डाइवर्सिफिकेशन का बेनिफिट भी देते हैं ये स्टॉक

मिडकैप स्टॉक्स की खासियत यह है कि बाजार की रैली में ये हाई रिटर्न दे सकते हैं। वैसे तो आपको देनों कैटेगरी के स्टॉक चाहिए तो उनमें अलग-अलग निवेश करना होगा, लेकिन एक तरीका यह भी है कि आप लाजकैप एंड मिडकैप म्यूचुअल फंड स्कीम में पैसा लगाएं, जिसके जरिए आपके पोर्टफोलियो में दोनों तरह के स्टॉक शामिल हो जाएंगे। इससे आपको डाइवर्सिफिकेशन का भी बेनेफिट मिलेगा और आप बिना किसी नुकसान के अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकेंगे।

एक स्कीम में 2 कैटेगरी के स्टॉक : बाजार में लार्ज एंड मिडकैप फंड द्वारा लार्ज कैप स्टॉक्स और मिडकैप स्टॉक्स में निवेश किया जाता है। यह किसी निवेशक के पोर्टफोलियो को स्थिरता देने के साथ बेहतर ग्रोथ दे सकता है। लार्जकैप स्टॉक्स जहां पोर्टफोलियो को स्टेबिलिटी देते हैं, वहीं बाजार की रैली में मिडकैप हाई रिटर्न दे सकते हैं। जो आपके लिए काफी लाभदायक हो सकते हैं। लार्ज एंड मिडकैप फंड का फोकस 250 कंपनियों के स्टॉक पर होता है। इनमें मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से टॉप 100 कंपनियां लार्जकैप के तहत आती हैं, जबकि अगली 150 कंपनियां मिडकैप में आती हैं।

क्या कहती है सेबी

मार्केट रेगुलेटर सेबी के नियम के तहत लार्ज एंड मिडकैप फंड स्कीम के तहत लार्जकैप और मिडकैप दोनों तरह के शेयरों में 35-35 फीसदी निवेश जरूरी है। लार्ज एंड मिडकैप फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है जो अपने निवेश को 5 साल या इससे अधिक बनाए रखना चाहते हैं। हालांकि यह भी कहा जाता है कि बाजार में जो लंबे समय तक रुकेगा वहीं अच्छा पैसा भी कमा पाएगा। इसलिए निवेशक में धैर्य रखना जरूरी है।

क्यों बेहतर है स्कीम

लार्ज एंड मिड कैप म्यूचुअल फंड स्कीम के जरिए आपको डाइवर्सिफिकेशन का फायदा मिलता है। सिर्फ लार्जकैप म्यूचुअल फंड या सिर्फ मिडकैप म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश करने पर आपके फंड का ज्यादातर हिस्सा या तो लार्जकैप में या तो मिडकैप में लगता है। अन्य कैटेगरी में निवेश के लिए फंड मैनेजर के पास ज्यादा रकम नहीं बचती, जबकि लार्ज एंड मिडकैप फंड में ब्लूचिप और मिडकैप में एक बराबर अलोकेशन होता है।

एक और खास सुविधा

लार्ज एंड मिडकैप फंड में एक और सुविधा है। मसलन अगर शेयर बाजार में गिरावट है तो फंड मैनेजर के पास कुल फंड का 65 फीसदी लार्जकैप में और बचे 35 फीसदी को मिडकैप में निवेश करने की सुविधा होती है, ताकि पोर्टफोलियो को सुरक्षा मिले। इसी तरह से अगर बाजार में तेजी आती है तो फंड मैनेजर रिटर्न को बूस्ट देने के लिए मिडकैप में ज्यादा रकम लगा सकता है। लार्ज एंड मिडकैप फंड में इक्विटी की तरह टैक्स लगता है। इन पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स, शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स और डिविडेंड डिस्ट्रीब्यूशन टैक्स लगता है।

5 साल में बेस्ट एसआईपी रिटर्न वाले लार्ज एंड मिडकैप फंड

एचडीएफसी लार्ज एंड मिडकैप फंड
- **5 साल में एसआईपी रिटर्न:** 23.11% सालाना
- **कुल एसेट्स:** 10,680 करोड़ (31-जुलाई-2023)
- **एक्सपेंस रेश्यो:** 1.01% (31-जुलाई-2023)
- **कम से कम निवेश:** 100 रुपये
- **कम से कम एसआईपी :** 100 रुपये

क्वांट लार्ज एंड मिडकैप फंड
- **5 साल में एसआईपी रिटर्न:** 22.23% सालाना
- **कुल एसेट्स:** 995 करोड़ (31-जुलाई-2023)
- **एक्सपेंस रेश्यो:** 0.56% (31-जुलाई-2023)
- **कम से कम निवेश:** 5000 रुपये
- **कम से कम एसआईपी :** 1000 रुपये

आईसीआईसीआई प्रू लार्ज एंड मिडकैप
5 साल में एसआईपी रिटर्न: 22.24% सालाना ■ कुल एसेट्स: 9123 करोड़ (31-जुलाई-2023) ■ एक्सपेंस रेश्यो: 1% (31-जुलाई-2023) ■ कम से कम निवेश: 5000 रुपये ■ कम से कम एसआईपी : 100 रुपये

एसबीआई लार्ज एंड मिडकैप फंड
5 साल में एसआईपी रिटर्न: 21% सालाना ■ कुल एसेट्स: 13,871 करोड़ (31-जुलाई-2023) ■ एक्सपेंस रेश्यो: 0.91% (31-जुलाई-2023) ■ कम से कम निवेश: 5000 रुपये ■ कम से कम एसआईपी : 500 रुपये

बंधन कोर इक्विटी फंड
5 साल में एसआईपी रिटर्न: 20.72% सालाना ■ कुल एसेट्स: 2802 करोड़ (31-जुलाई-2023) ■ एक्सपेंस रेश्यो: 0.84% (31-जुलाई-2023) ■ कम से कम निवेश: 1000 रुपये

होमलोन ले तो रखें ध्यान

ईएमआई की 15% रकम एसआईपी में लगाएं

जानकारी | बिजनेस डेस्क

"■ 20 साल बाद दिखेगा मैजिक, पूरा ब्याज हो जाएगा 'माफ' ■ लोन लेकर घर खरीदने के पहले ब्याज और मूलधन कैलकुलेट करें ■ कई बार असली की कीमत की तुलना में डबल चुकाना पड़ता है ■ बैंकों में होमलोन की दर पिछले दिनों बढ़ी है"

घर खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो यह जरूरी है कि अलग से निवेश की कुछ ऐसी भी प्लानिंग करें, जिससे घर खरीदने में खर्च होने वाला फंड रिकवर भी हो सके। ये मुश्किल नहीं है, बस इसके लिए कुछ स्मार्ट इन्वेस्टर बनकर काम करना जरूरी है। वैसे इसके लिए बेहतर फॉर्मूला है ईएमआई के साथ-साथ एसआईपी। अगर आप अनुशासित तरीके से यह नियम फॉलो करते हैं तो घर की ईएमआई खत्म होते होते आप एसआईपी से इतनी रकम पा सकते हैं कि कम से कम लोन पर दिया जाने वाला ब्याज रिकवर हो जाएगा। असल में रिजर्व बैंक ने पिछले साल मई से अब तक रेपो रेट में 2.50 फीसदी का इजाफा किया है। हालांकि 2 बार से दरों पर पॉज लगा है, लेकिन रेपो रेट बढ़ने से ज्यादातर प्रमुख बैंकों या नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी ने होमलोन रेट में भी 1.5 से 2 फीसदी इजाफा कर दिया है। साल 2022 की शुरूआत में होमलोन की जो दरें 7.50 फीसदी थीं, वह बढ़कर 9.50 फीसदी के करीब पहुंच गई हैं। यानी अब लोन लेकर घर खरीदना और महंगा हो गया है। आप जब होमलोन लेते हैं तो क्या आप यह कैलकुलेट कर पाते हैं कि आपको मूलधन पर बैंकों को कितना ब्याज देना पड़ता है। मान लिया कि आप 40 लाख रुपये का लोन ले रहे हैं, वह भी 20 साल के लिए। बैंकों की होमलोन पर औसत ब्याज दर आजकल 9.5 फीसदी के आस पास है। ऐसे में अगर आप ईएमआई देखें तो हर महीने 37285 रुपये की बनेगी। इस लिहाज से आपका 20 साल के दौरान बैंकों को दिया जाने वाला ब्याज 49,48,459 रुपये होगा। इसमें मूलधन भी जोड़ दें तो बैंकों को देने वाली कुल रकम 89,48,459 होगी।

कुल होम लोन : 40 लाख
- इंटरेस्ट रेट: 9.50%
- लोन की अवधि: 20 साल
- ईएमआई: 37285 रुपये
- कुल ब्याज: 49,48,459 रुपये
- लोन के बदले बैंक को कुल पेमेंट: 89,48,459

(यह एसबीआई की ब्याज दर के हिसाब से है)

ऐसे समझें

ऊपर दिए गए कैलकुलेशन में साफ है कि आपने ईएमआई शुरू होते ही किस्त के 15 फीसदी रकम के बराबर एसआईपी भी शुरू कर दी है। आपकी मंथली किस्त 37285 रुपये हुई, जिसका 15 फीसदी 5593 रुपये है। 20 साल में हर महीने आपने 5593 रुपये निवेश किया। यानी आपको कुल 13,42,320 रुपये लगाना पड़ा। बदले में आपकी 20 साल बाद एसआईपी की कुल वैल्यू 64,06,889 रुपये हो गई। अगर इसमें से अपना निवेश निकाल लें तो भी करीब 50,64,569 रुपये का ब्याज का फायदा हुआ, जबकि आप करीब इतनी ही रकम 49,48,459 रुपये बैंक को ब्याज के रूप में दे रहे हैं। एक तरह से आपका कुल ब्याज पर खर्च कवर हो गया।

ईएमआई की 25 फीसदी रकम एसआईपी में लगाएं
- मंथली एसआईपी : 9321 रुपये
- सालाना ब्याज: 13 फीसदी
- 20 साल बाद एसआईपी की वैल्यू: 1,06,77,384 रुपये
- आपका कुल निवेश: 22,37,040 रुपये
- ब्याज का फायदा: 84,40,344 रुपये

होमलोन पर इंटरेस्ट कैसे करें फ्री

यहां आपकी मंथली ईएमआई 37,285 रुपये के करीब है। आप ईएमआई शुरू होने के साथ ही इस रकम का 15 फीसदी एसआईपी कर दें, यानी हर महीने 5593 रुपये आपको किसी बेहतर म्यूचुअल फंड स्कीम में एसआईपी के जरिए निवेश करना होगा। यह निवेश भी 20 साल के लिए होगा। 20 साल लंबी अवधि है और रिटर्न हिस्ट्री देखें तो बहुत सी ऐसी स्कीम हैं, जिनमें 20 साल में एसआईपी का रिटर्न 15 फीसदी या इससे ज्यादा रहा है। हम यहां सालाना रिटर्न 13 फीसदी मानकर कैलकुलेशन करेंगे।

■ मंथली एसआईपी: 5593 रुपये ■ सालाना ब्याज: 13 फीसदी ■ 20 साल बाद एसआईपी की वैल्यू: 64,06,889 रुपये ■ आपका कुल निवेश: 13,42,320 रुपये ■ ब्याज का फायदा: 50,64,569 रुपये

आर्थिक आजादी पाने के लिए 12 तरीके

डॉ. पूनम टंडन

लोगों को अक्सर निवेश करने के लिए अच्छे फंड्स या स्कीम्स की तलाश रहती है, लेकिन, हम यहीं आकर धोखा खा जाते हैं और किसी भी स्कीम पैसा डालकर जोखिम बढ़ा लेते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे आर्थिक आजादी के 12 तरीके जो आपको अच्छा मुनाफा करवाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

1. अपनी आय का एक हिस्सा जरूर बचाकर रखें। यह स्वतंत्रता की यात्रा का महत्वपूर्ण शुरूआती बिंदु है।
2. उस बचत को यूलिप, म्यूचुअल फ्रंड और नई पेंशन योजना में निवेश कर सकते हैं, इसमें ज़्यादा निवेश इक्विटी फ्रंड में होना चाहिए। आदमी जितना ही युवा होता है, उसे उतना ही ज़्यादा इक्विटी में निवेश करना चाहिए, क्योंकि इस तरह के निवेश में कम अवधि के लिए भले ही उतार-चढ़ाव आएं, लेकिन लंबी अवधि में इसमें बड़ा रिटर्न संभव है।
3. इस बात पर भी विचार कर सकते हैं कि हाउसिंग लोन को कम उम्र में ही लिया जाए, जिससे उसका भुगतान बोनस या किसी तरह के अतिरिक्त पैसे से कर दिया जाए, ताकि किसी भी तरह के लोन से मुक्त हुआ जा सके खास तौर पर हाउसिंग लोन से। एक सलाह यह भी है कि 50 वर्ष की उम्र पूरी कर लेने के बाद लोन लेने से बचा जाए।
4. कोई व्यक्ति टर्म लोन भी ले सकता है, ताकि किसी अप्रत्याशित दुर्घटना के कारण आपका परिवार पूरी तरह से सुरक्षित रह सके और आपको उस पहलू पर ज़्यादा सोच-विचार न करना पड़े।
5. हमने पिछले तीन वर्षों में खास तौर से कोविड के दौर में देखा है कि सेहत को लेकर गंभीर होना कितना जरूरी है और अगर कुछ होता है, तो अस्पताल का खर्च पूरी बचत को साफ़ कर सकता है। इसलिए हर व्यक्ति के लिए स्वास्थ्य बीमा बहुत जरूरी है, खुद के लिए और परिवार के लिए भी। इससे वह व्यक्ति स्वास्थ्य के मुद्दों को लेकर निश्चिंत रहेगा।
6. आपातकाल के लिए एक फ्रंड, बैंक डिपॉजिट में जरूर होना चाहिए, ताकि कोई आपात यात्रा या बच्चों के कुछ अतिरिक्त खर्च के दौरान उसका उपयोग किया जा सके।
7. लक्ष्य आधारित निवेश के कारण आर्थिक चिंताएं कम करने में मदद मिलती है-जैसे कोई म्यूचुअल फ्रंड या यूलिप में निवेश करता है-तो हो सकता है कि कोई व्यक्ति यात्रा करना चाहता हो या बच्चों का जन्मदिन मनाना चाहता हो या मां-बाप के विवाह की वर्षगांठ मनाना चाहता हो, तो ये सारे काम व्यवस्थित ढंग-से निवेश करने पर संभव हो जाते हैं।
8. इंश्योरेंस कंपनियां लंबी अवधि की गारंटी वाली बचत योजनाएं चलाती हैं जिससे जीवन में ज्यादा निश्चितता आती है। इसके अलावा जब किसी को रिटायरमेंट का पैसा मिलता है, तो उसके साथ दूसरे फ़ायदे भी जुड़े होते हैं।
9. अगर कोई सोने (गोल्ड) में निवेश करना चाहता है, तो उसके लिए सॉवरीन गोल्ड बॉन्ड हैं जिसे आरबीआई जारी करता है और एक्सचेंज में भी इसका कारोबार होता है। पहले से ही, इस पर बहुत अच्छा रिटर्न मिलता रहा है क्योंकि इसका संबंध गोल्ड के मूल्य से जुड़ा होता है और आरबीआई 2.5% का कूपन भी देती है और अगर अवधि पूरी हो जाती है, तो कोई कैपिटल गेन टैक्स भी नहीं लगता।
10. किसी भी व्यक्ति को बेमतलब के व्यय करने से बचना चाहिए, खासकर सोशल मीडिया पर आकर्षित करने वाली अर्थहीन खरीददारी, इसके अलावा यह भी पक्का कर लें कि खर्चे के लिए आय का कुछ हिस्सा ही खर्च करना है, ताकि किसी तरह के पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का कोई बोझ न पड़ने पाए।
11. अपने क्रेडिट कार्ड का भुगतान सही समय पर करें जिससे किसी तरह का दंड या ब्याज न देना पड़े। इससे अपने पर अनुशासन रखने और नियंत्रण रखने में भी मदद मिलती है।
12. बच्चों को पैसों की कीमत बताएं, ताकि उन्हें और आपको अपने वित्तीय लक्ष्य प्राप्त करने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो।

फिर से सोच लें, कितनी सही है ये स्ट्रैटेजी, नए निवेशक अक्सर पुरानी स्कीम का देखते हैं प्रदर्शन

टॉप परफॉर्मिंग म्यूचुअल फंड में ही करना चाहते हैं निवेश, तो रहें अलर्ट

अगर आप नए निवेशक हैं और टॉप परफॉर्मिंग म्यूचुअल फंड में ही निवेश करना चाहते हैं तो आपको सावधानी के साथ ही बाजार में उतरना होगा। तभी आप बिना किसी नुकसान के मुनाफा कमा सकते हैं। निवेशक अगर नए हैं तो निवेश के पहले वह किसी स्कीम का प्रदर्शन देखते हैं। आमतौर पर यह एक ट्रेंड भी है कि बहुत से लोग ऐसी म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश करने की सोचते हैं, जिनका पुराना रिटर्न बेहतर रहा हो। यह भी अक्सर देखा गया है कि निवेशक किसी के द्वारा सुझाए गए फंड को चुनते हैं, लेकिन कुछ समय बाद जब स्कीम उनकी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरती और वे सोचते हैं कि क्या उन्हें इससे बाहर निकल जाना चाहिए, लेकिन क्या यह सही स्ट्रैटेजी है या गलत। यह जानना जरूरी है कि हमें किसी म्यूचुअल फंड का चयन कैसे करना चाहिए। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको ऐसी ही कुछ खास जानकारी देंगे।

तैयारी | बिजनेस डेस्क

सही इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट का चयन करें

इस कॉमनसेंस अप्रोच को हममें से अधिकांश लोग अपनाते हैं। बहुत से निवेशक ऐसे हैं जो कुछ वेबसाइट, समाचार पत्रों और टीवी को देखते हैं और उसमें दी गई जानकारी के आधार पर यह पाते हैं कि इन इन्वेस्टमेंट विकल्पों ने हाल में अच्छा प्रदर्शन किया है, हर कोई इसके बारे में बात कर रहा है और हम उसी ट्रेंड को फॉलो करने (अनुसरण) का निर्णय लेते हैं। हालांकि इसका इस फैक्ट से काफी कुछ लेना-देना भी है कि हम इंसान हैं। हम कुछ पूर्वाग्रहों का सामना करते हैं जो हम सभी में होते हैं, उनमें से सबसे बड़ा हाल का पूर्वाग्रह है। आप हाल फिलहाल में हुई किसी भी चीज को देखते हैं और विश्वास करते हैं कि यह जारी रहेगा। ऐसा करने से हमारे निवेश को क्या खतरा है, इस वास्तव में जानने और समझने वाली बात है।

रिटर्न की निरंतरता को ब्रेक तो नहीं कर रहे

यह खतरा कुछ ऐसा है, जिसे आपके किसी लक्ष्य के लिए 'रिटर्न की निरंतरता को तोड़ना' (ब्रेकिंग द सीक्वेंस ऑफ रिटर्न) कहा जाता है। इसका मतलब यह है कि अगर आपने अपनी बेटी को भविष्य की पढ़ाई के लिए विदेश भेजने का लक्ष्य तय किया है। मान लीजिए कि लक्ष्य 10 साल दूर है और 10 साल बाद आपको 20 लाख रुपये की आवश्यकता होगी। आपका सलाहकार आपको 10 साल तक कुछ म्यूचुअल फंड में हर महीने करीब 10,000 रुपये निवेश करने की सलाह देता है, जो 10 फीसदी सालाना रिटर्न मानकर इस फंड को बनाने में मदद कर सकता है। एक इंसान के तौर पर, हमें जिन निवेश स्कीम के बारे में लगता है कि वे बेहतर रिटर्न दे सकते हैं, उनका पीछा करते हुए 5 साल में ही टारगेट तक पहुंचना चाहेंगे।

इसे ऐसे समझें

जब आपने 100 रुपये का निवेश किया है और यदि वह निवेश घटकर 50 रुपये हो जाता है, तो इसका मतलब है कि आपको 50 फीसदी का नुकसान है, लेकिन उस 50 रुपये को वापस 100 रुपये पर ले जाने के लिए, रिटर्न की आवश्यक दर क्या है? आपको अपने 50 रुपये को वापस 100 रुपये पर ले जाने के लिए उस पर 100 फीसदी रिटर्न की आवश्यकता है। नीचे जाते समय यह 50 फीसदी का नुकसान है, ऊपर जाते समय उसी चीज को आपको 100 रुपये पर वापस लाने के लिए 100 फीसदी रिटर्न की आवश्यकता होती है। ऐसा तब होता है जब आप इसे 10-ईयर लक्ष्य तक बढ़ाते हैं और आपके पास कुछ निवेश हैं जो आपको लगता है कि अभी बहुत अच्छे हैं और यह आपको दूसरे साल या तीसरे साल में निगेटिव रिटर्न देता है। दरअसल, इक्विटी फंड निगेटिव रिटर्न दे सकते हैं। अगर आप ऐसे फंड चुनते हैं जिन्होंने हाल ही में डबल डिजिट में रिटर्न दिया है और उनमें निवेश करते हैं, तो वही फंड आपके निवेश के बाद आपको कम रिटर्न या निगेटिव रिटर्न दे सकते हैं। यही कंपाउंडिंग का मैजिक है। यही वजह है कि आपको रिटर्न का क्रम नहीं बिगाड़ना चाहिए। एक अच्छा पोर्टफोलियो खरीदना और उसे बनाए रखना, लक्ष्य की अवधि पूरा होने तक उसके साथ छेड़छाड़ करने की तुलना में कहीं बेहतर रणनीति है।

लक्ष्य के बीच में निवेश को न छेड़ें

अब क्या आप रिटर्न रिस्क के सीक्वेंस यानी क्रम को समझते हैं? यह उस समय सीमा के दौरान आपके पोर्टफोलियो पर कंपाउंडिंग के प्रभाव को प्रभावित नहीं करने के बारे में है जब आप अपने लक्ष्य पूरे करने के लिए योजना बना रहे होते हैं। कभी-कभी यह निवेश के साथ छेड़छाड़ करने की एक मानवीय प्रवृत्ति है, जैसे कि हम टारगेट की अवधि के बीच में ही अपनी कार/बाइक को बदलना चाहते हैं, लेकिन सबसे अच्छा तरीका यह है कि एक बार जब आप बेहतर फंड चुन लेते हैं जो आपके लक्ष्य पूरा होने के क्रम में रिटर्न रेंज देने के लिए पर्याप्त हैं, तो उनके साथ छेड़छाड़ न करें। यहीं पर एक अच्छे भरोसेमंद वित्तीय सलाहकार का महत्व समझ में आता है जो आपको अपने लक्ष्य और योजना पर टिके रहने में मदद कर सकता है। यह वह सेंसेक्स या निफ्टी नहीं है जिसे आपको देखना चाहिए, बल्कि आपको अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

G20
वसुधैव कुटुम्बकम्
गौरवशाली भारत

भारत मंडपम में सजा मिनी भारत, 75 जिलों की अनूठी शिल्पकला और संस्कृति को मेहमानों ने निकट से देखा

जी-20 में भारत की विविध कलाओं को दुनिया ने निहारा, प्रशंसा की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत मंडपम में मिनी भारत का प्रतिनिधित्व करता शिल्प बाजार सज गया है। विदेशी मेहमानों के लिए यह मिनी भारत जैसा है जहां एक जिला एक उत्पाद जीआई टैग के तहत 75 जिलों की अनूठी कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। हॉल नंबर तीन में सजे इस अनूठे बाजार में देश के कोने-कोने से आए शिल्पकार भाग ले रहे हैं। विदेशी मेहमान यहां कश्मीर की कालीन, पंजाब की फुलकारी, मधुबनी पेंटिग्स, महाराष्ट्र के बांस के उत्पाद, असम की चाय, तंजावुर की पेंटिंग्स, पूर्वोत्तर राज्यों की लकड़ी व बांस से बनी वस्तुएं, हस्तकरघा, मिट्टी से बनी वस्तुएं, रंगाई-छपाई सब एक छत के नीचे देख सकेंगे। यह हॉल विविधता में एकता का प्रतीक है और भारतीय पारंपरिक कला व संस्कृति की झलक पेश करता है। विदेशी मेहमानों को न केवल इन कलाकृतियों और कला की बारीकियों से रूबरू कराया जाएगा बल्कि वे डिजिटल खरीदारी भी कर सकेंगे। उन्हें यूपीआई के माध्यम से खरीदारी कराई जाएगी। शिल्प बाजार में कपड़े, जूलरी, हैंडिक्राफ्ट के सामान, बर्तन, सजावटी सामान, पेंटिंग्स, चाय की खरीदारी के साथ उन्हें बनता भी देखा जा सकता है। बिहार शिल्प स्टॉल में कलाकार मधुबनी पेंटिंग्स बनाती देखेंगी। यहां मेहमानों के लिए सेल्फी स्टैंड भी बनाया गया है जहां वे सेल्फी भी ले सकेंगे।

- भारत मंडपम में मिनी भारत का प्रतिनिधित्व करता सुंदर शिल्प बाजार सज गया
- हॉल नंबर तीन में सजे अनूठे बाजार में देश के शिल्पकार दिखाई दिए

शिल्प बाजार की उपयोगिता भी देखी

हॉल 3 में स्थापित, 'शिल्प बाजार' में खादी और ग्रामोद्योग आयोग और ट्राइफेड सहित केंद्रीय और क्षेत्रीय एजेंसियों के भी स्टॉल हैं। विदेश मंत्रालय के जी-20 सचिवालय में विशेष सचिव मुक्तेश के. परदेशी ने बताया कि इस प्रदर्शनी-सह-बिक्री के माध्यम से, हम प्रत्येक उत्पाद की बाजार क्षमता को बढ़ा रहे हैं, जिसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा प्रदर्शित किया जाएगा। शिल्प बाजार भारत से सर्वश्रेष्ठ हस्तशिल्प वस्तुओं को एक छत के नीचे ले कर आया है और कलाकार अपनी कला का लाइव प्रदर्शन कर सकेंगे।

केंद्रीय मंत्री हरदीप बोले

दिल्ली घोषणा पत्र बनेगा मील का पत्थर, बधाई भी दी

जी 20 में भारत को बड़ी कामयाबी मिली है। दिल्ली घोषणा पत्र मील का पत्थर बनेगा। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि भारत को जी 20 की अध्यक्षता में देश में कई मीटिंगें हुईं, भारत का प्रचार हुआ। जी 20 के लाभ हैं। इसकी भारत ही नहीं पूरे ग्लोबल साउथ पर पॉजिटिव असर होगा। चाहे क्लाइमेट एक्शन हो, हेल्थ हो... दुनिया भर में जी20 की पॉजिटिव इम्पल्स जाएगी। पुरी ने कहा कि दिल्ली घोषणा पत्र को स्वीकार किए जाने पर मैं सबको बधाई देना चाहता हूं।भारत ने ह्यूमनन सेंट्रिक डेवलपमेंट, हैल्थ सेक्टर, फायनेंशियल इन्क्लूजन, डिजिटल पर बात की।

सुनक की पत्नी अक्षता ने फुटबॉल खेली

दो दिन की इस समिट में ऐसे और मोमेंट्स रहे, जिनकी चर्चा हो रही है। जैसे मोदी ने ब्रिटेन केपीएम ऋषि सुनक को गले लगाया। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज की आंख पर लगी चोट को लेकर उनका हालचाल जाना। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव पहुंचे, तो मोदी ने आगे बढ़कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। शुक्रवार को सुनक और उनकी पत्नी अक्षता ने ब्रिटिश काउंसिल हेडक्वार्टर में एक स्थानीय स्कूल के बच्चों के साथ कुछ वक्त बिताए, बातचीत की और फुटबॉल भी खेली।

राष्ट्रपति ने दी डिनर पार्टी

विदेशी मेहमानों के साथ170 मेहमानों का 'स्वादिष्ट' डिनर

जी20 शिखर सम्मेलन के डिनर में सभी प्रतिनिधियों समेत 170 अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी लोगों को इसके लिए इंविटेशन भेजा था। डीनर के लिए अब राजधानी दिल्ली में नेताओं का जुटना शुरू हो गया है। बिहार, तमिलनाडु और झारखंड के मुख्यमंत्री दिल्ली पहुंच चुके हैं। बाकी नेताओं के आने का सिलसिला भी जारी है।सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि वह राष्ट्रपति द्रौपदी के निमंत्रण पर जी20 डिनर में शामिल होने के लिए यहां आए हैं। वहीं, हेमंत सोरेन भी दिल्ली पहुंचे। उनके साथ उनके पिता और झामुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन भी हैं।जी20 के इस स्पेशल डिनर में राष्ट्रपति मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पत्नी सुदेश धनखड़,पीएम नरेंद्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, भारत के सीएजी गिरीश चंद्र मुर्मू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, एनएसए अजीत डोभाल, दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना, जी20 शेरपा अमिताभ कांत भी रात्रिभोज में शामिल हुए। सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को डिनर के लिए इनविटेशन भेजा गया है. साथ ही कैबिनेट और राज्य मंत्रियों, केंद्र सरकार में सचिवों को भी आमंत्रित किया गया है. कैबिनेट मंत्रियों की लिस्ट में राजनाथ सिंह, अमित शाह, निर्मला सीतारमण, एस जयशंकर, नितिन गडकरी, धर्मेंद्र प्रधान, स्मृति ईरानी, अर्जुन मुंडा, पीयूष गोयल, प्रह्लाद जोशी और नरेंद्र सिंह तोमर शामिल हैं। डिनर में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किए जाने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, मैं पहले ही इस पर प्रतिक्रिया दे चुका हूं। यह अच्छी राजनीति नहीं है और केंद्र सरकार को ऐसा नहीं करना चाहिए।

पीएम मोदी बने गाइड

बाइडेन को बताया कोणार्क चक्र का महत्व

पीएम मोदी ने शनिवार को जी-20 के लिए भारत मंडपम में मेहमानों का स्वागत किया। पीएम यहां स्वागत स्थल पर अलग-अलग राष्ट्राध्यक्षों से गर्मजोशी से मिले। जिन नेताओं के साथ पीएम की सबसे ज्यादा गर्मजोशी दिखी, उनमें अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन-सलमान खास रहे। इन सभी नेताओं के साथ पीएम मोदी की जुगलबंदी कैमरे में भी कैद हो गई। बाइडेन का स्वागत करने के लिए पीएम मोदी ने खुद अपने स्थान से हठकर दो कदम आगे आए। इस दौरान पीएम मोदी ने बाइडन को कोनार्क चक्र के बारे में भी बताया।

आतंकवाद बर्दाश्त नहीं

जयशंकर ने वन अर्थ, वन फैमिली पर दिया संदेश

भारत के लिए बड़ा दिन है।शनिवार को 18वां जी20 शिखर सम्मेलन नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में हो रहा है। इस बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि जी-20 नेताओं ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा की और माना कि यह अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है।उन्होंने कहा की हमारी अध्यक्षता का संदेश 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर' है। उन्होंने कहा कि जी-20 लीडर्स ने आज जिस डिक्लेरेशन पर सहमति व्यक्त की है, वह मजबूत टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। यह एसडीजी (सतत विकास लक्ष्य) की प्रगति में तेजी लाने का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए हमारी संस्कृति, परंपरा और विरासत को दर्शाने का एक अवसर था। जी-20 ने भारत को विश्व के लिए तैयार करने और विश्व को भारत के लिए तैयार करने में योगदान दिया है।

मोटे अनाज के खास पकवान

मिलेट कुकीज, खीर और केक का लिया स्वाद

भारत दुनिया भर में अपनी मेहमानवाजी के लिए जाना जाता है और जी 20 के इस सम्मेलन में मेहमानों को कश्मीर से कन्याकुमारी तक लजीज व्यंजनों को परोसा गया। खास बात है कि मेहमानों के ब्रेकफ्रास्ट, लंच और डिनर तमें 500 से ज्यादा डिशेज को शामिल किया गया है, जिसमें मिलेट यानी मोटे अनाज के व्यंजन शामिल हैं। भारत के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र ने मिलेट्स के फायदों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 2023 को इंटरनेशनल मिलेट्स ईयर के रूप में मान्यता दी है।रागी, बाजरा और ज्वार जैसे मोटे अनाजों को प्रमोट करने के लिए इन दो दिनों की समिट में विदेशी मेहमानों को मिलेट्स कुकीज, केक, खीर, इडली, सूप, नरगिसी कोफ्ता जैसी डिशेज परोसी गईं।

एयरपोर्ट पर अमेरिकी राष्ट्रपति

बाइडेन ने 'बच्ची' को गले लगाया और बातें की

जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन शुक्रवार को भारत पहुंचे। अपने विशेष विमान से जैसे ही जो बाइडेन उतरे उनका भव्य स्वागत किया गया। उनका स्वागत करने वालों में एक छोटी बच्ची भी शामिल थी, जिसे अमेरिका के राष्ट्रपति ने गले से लगाकर दुलार किया। बच्ची के साथ उनकी तस्वीरों ने सभी का ध्यान खींचा है। बच्ची भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी की बेटी माया है। गार्सेटी के साथ अक्सर देखी जाती है। इससे पहले जब गार्सेटी ने भारत में अमेरिका राजदूत पद की शपथ ली थी तब भी उनके साथ उनकी बेटी माया की एक तस्वीर वायरल हुई थी। इस फोटो में बच्ची माया ने हिबू बाइबिल को अपने हाथ में ले रखा था। इसी बाइबिल पर एरिक गार्सेटी ने शपथ ग्रहण की थी।

खबर संक्षेप

हर उम्र के लोग फ्री में कर सकेंगे एआई कोर्स

नई दिल्ली। एक उभरता स्टार्ट-अप हैलो एआई शिक्षा क्षेत्र में क्रांति लाने में एक प्रभावशाली कदम है। केरल स्टार्टअप मिशन के तहत रजिस्टर्ड कंपनी ने एक उन्नत एआई-आधारित प्लेटफॉर्म पेश किया है। खास बात यह है यह सभी आयु के लिए है। यह एआई टूल्स को सीखने में मदद करेगा। सभी उम्र के व्यक्ति आवश्यक एआई और डेटा साक्षरता कौशल के साथ सशक्त बन सकते हैं।

लाल डायरी वाले कांग्रेसी गुढ़ा शिवसेना में शामिल

जयपुर। राजस्थान की राजनीति में एक और बदलाव देखने को मिला है। पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने शिवसेना का हाथ थामा है। एक कार्यक्रम में अपने बेटे के जन्म दिन पर महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने शिवसेना की सदस्यता ग्रहण करवाई। जन्मदिन के मौके पर महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे उदयपुरवाटी आए थे। लिबर्टी फार्महाउस पर आयोजित कार्यक्रम में गुढ़ा शिवसेना में शामिल हुए।

रेल के जरिए भारत जल्द पश्चिम एशिया से जुड़ेगा

नई दिल्ली। नई दिल्ली में शिखर सम्मेलन में अमेरिका, सऊदी अरब, भारत और अन्य देश रेलवे मार्ग से भारत को पश्चिम एशिया के देशों को जोड़ने के बारे में चर्चा की खबर है। इस मामले के जानकार अफसरों का कहना है कि इस क्रम में भारत के बंदरगाह से पश्चिम एशिया के देशों को जोड़ा जा सकता है। इससे खाड़ी देशों और दक्षिण पूर्व के बीच कारोबार बढ़ेगा।

ब्रुसेल्स में राहुल गांधी बोले

छत्तीसगढ़, राजस्थान और कर्नाटक के जनसरोकार मॉडल पर चलाएंगे देश को

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बेल्जियम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की धमक बिखरी। उनके मॉडल की चर्चा हुई। चर्चा किसी और ने नहीं बल्कि कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने की। उन्होंने बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स के प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हमारी सरकारें जनहित को ध्यान में रखकर पॉलिसी बनाती हैं। जैसे छत्तीसगढ़ में किसानों फसलों को बेहतर दाम देने के लिए बेहतरीन एमएसपी पॉलिसी लागू की गई। राजस्थान में बेहतर स्वास्थ्य सेवा के लिए बेहतरीन स्वास्थ्य मॉडल विकसित किया गया। कर्नाटक में बेहतर समाज कल्याण के वो सभी योजनाएं लागू की गई जिसका वादा किया गया था। उनसे एक सवाल किया गया था कि अगर अगली बार आप सत्ता में आते हैं तो देश को किस रास्ते में ले जाना पसंद करेंगे? राहुल गांधी ने कहा कि बढ़ती बेरोजगारी पर अंकुश, और रोजगार के माध्यम मुहैया कराने के लिए वे छोटे और मंझोले उद्योगों के साथ स्टार्टअप वाली सभी कंपनियों को लगातार बढ़ावा देने का काम करेंगे।

खरगे को निमंत्रण नहीं देने पर बिफरे

राहुल गांधी ने जी-20 प्रतिनिधियों के लिए भारत के राष्ट्रपति द्वारा आयोजित भोज में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को आमंत्रित नहीं करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, देश का 60 फीसदी वोट विपक्षी गठबंधन को मिला। गठबंधन के सबसे बड़े दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष को निमंत्रण नहीं दिया भेजा जाना अनुचित है।

भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला

उन्होंने कहा, भारत में यह धारणा है कि हमारे देश के लोकतांत्रिक मूल्यों पर और संस्थागत संरचनाओं पर हमला हो रहा है। साथ ही उन्होंने जोड़ा कि भारत में लोकतंत्र की लड़ाई हमारी (विपक्ष) है। यह हमारी जिम्मेदारी है और हम इसका ख्याल रखेंगे।

हफ्ते भर के दौरे पर हैं राहुल गांधी

जी-20 शिखर सम्मेलन में जब दिल्ली विश्व नेताओं की मेजबानी कर रहा है वहीं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष यूरोप के एक सप्ताह के दौरे पर हैं। वह बेल्जियम, फ्रांस, नीदरलैंड और नार्वे में विभिन्न बैठकों में शिरकत करेंगे। राजनेताओं और भारतीय प्रवासी के सदस्यों से मुलाकात करेंगे।

रूस-यूक्रेन मामले में सरकार के साथ

रूस-यूक्रेन संघर्ष और उस पर भारत के रुख के बारे में एक अलग सवाल का जवाब देते हुए, राहुल ने मोदी सरकार का जमकर समर्थन किया। उन्होंने कहा, विपक्ष मोटे तौर पर रूस पर भारत के रुख से सहमत होगा। रूस के साथ हमारा रिश्ता है। मुझे नहीं लगता कि सरकार वर्तमान में जो प्रस्ताव दे रही है, उससे विपक्ष का कोई अलग दृष्टिकोण होगा। भारत ने यूक्रेन पर युद्ध के लिए रूस को अलग-थलग करने के पश्चिम के आह्वान को खारिज कर दिया है और इसके बजाय बातचीत और कूटनीति पर जोर दे रहा है।

भारत बनाम इंडिया पर

राहुल गांधी ने इंडिया, भारत मसले पर पूछे गये जवाब में कहा कि ये सब मोदी सरकार द्वारा घबराहट में की जा रही प्रतिक्रिया है। इंडिया के नाम से विपक्षी गठबंधन बना तो ध्यान भटकाने के लिए इस मामले को तूल दिया जा रहा है। विपक्षी गठबंधन का नाम इंडिया रखने से प्रधानमंत्री इतने परेशान हो गये हैं कि वे देश का नाम बदलना चाहते हैं।

सीएम गहलोत ने लगाया आरोप

हेलिकॉप्टर को लैंडिंग बैन की सीएम-एमएचए आमने-सामने

जयपुर। हेलिकॉप्टर को लैंडिंग की इजाजत नहीं' मिलने के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) और राजस्थान मुख्यमंत्री आमने-सामने हैं। एमएचएने सीएम गहलोत के 'लैंडिंग की इजाजत नहीं' मिलने के दावे को खारिज किया है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि यह कहना सच नहीं है। जी20 शिखर सम्मेलन को लेकर दिल्ली में मुख्यमंत्रियों के मूवमेंट पर रोक नहीं है। दिल्ली में जी-20 समिट चल रहा है। इसे लेकर 8-11 सितंबर तक एक उच्च तकनीकी सुरक्षा हवाई कवर तैनात किया गया है। हालांकि राज्यपालों और राज्य के मुख्यमंत्रियों को उनके विमानों के साथ आवाजाही की अनुमति है। उनके विमान की लैंडिंग को लेकर किसी तरह की रोक नहीं है।

गहलोत के किसी अनुरोध को अस्वीकार नहीं किया गृह मंत्रालय की सफाई

एक दिन पहले राजस्थान सीएम अशोक गहलोत ने दावा किया था कि सीकर दौरे के लिए उदयपुर से हेलिकॉप्टर को उड़ान की अनुमति नहीं मिली। गृह मंत्रालय ने कहा कि गहलोत का कोई अनुरोध अस्वीकार नहीं हुआ। गहलोत की तरफ से सीकर समेत उड़ान अनुमति के लिए चार अनुरोध प्राप्त हुए थे और सभी को एमएचए की तरफ से अनुमोदित किया गया है। गहलोत के किसी भी अनुरोध को अस्वीकार नहीं किया गया है, जबकि वाणिज्यिक विमानों की सभी निर्धारित उड़ानों और राज्यपालों और राज्य के मुख्यमंत्रियों को अपने राज्य के विमानों पर आवाजाही की अनुमति है। निजी चार्टर्ड उड़ानों को एमएचए से अनुमति लेना जरूरी होगा। उधर, दावा खारिज करने का सीएम गहलोत ने भी जवाब दिया है।

युवाओं के स्वाभिमान के लिए नौकरियां मिशन मेरिट से दीः खट्टर

युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना सरकार की प्रतिबद्धता, इस वर्ष भी होगा 200 रोजगार मेलों का आयोजन

▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि रोजगार मेलों के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को रोजगार के नए-नए अवसर प्रदान करना सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस वर्ष भी 200 रोजगार मेलों के माध्यम से रोजगार देने व चाहने वालों के लिए सांझा मंच उपलब्ध करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को विशेष चर्चा कार्यक्रम के तहत दिल्ली से ऑडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से रोजगार मेलों में रोजगार पाने वाले युवाओं से सीधा संवाद कर रहे थे। उन्होंने बताया कि अभी के आँकड़ों के हिसाब से साल में 20000 से 25000 व्यक्तियों को सरकारी नौकरी मिल सकती है। सीएम के अनुसार साल 2014 से 2023 तक प्रति वर्ष 17000 के हिसाब से अभी तक 1.15 लाख व्यक्तियों को रोज़गार दिया गया है। इसमें हरियाणा कौशल रोज़गार निगम द्वारा दिए गए लगभग 56000 व्यक्तियों को मिलाने पर यह आँकड़ा 1,70,000 तक पहुँच जाता है, जबकि वर्ष 1999 से 2005 तक प्रति वर्ष 2000 नौकरियाँ दी गई और कांग्रेस

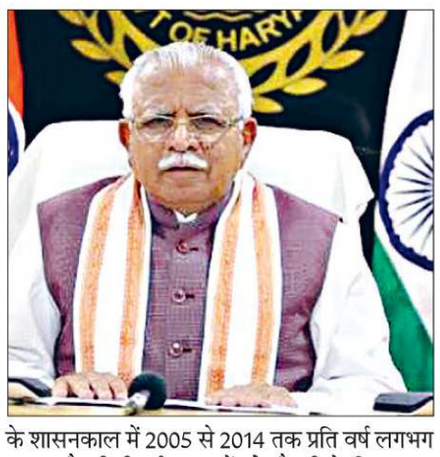

के शासनकाल में 2005 से 2014 तक प्रति वर्ष लगभग 8500 नौकरी दी गई। युवाओं को नौकरी के लिए बार-बार आवेदन करने में फीस भरने से छुटकारा दिलाने के लिए हम ने एकल पंजीकरण की सुविधा प्रदान की है। उन्होंने युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि जनवरी 2019 से अब तक राज्य में 1450 रोजगार मेले आयोजित कर 31217 युवाओं को रोजगार सहायता प्रदान की गई हैं। इसके अलावा इन मेलों में पूर्ण पारदर्शिता के आधार पर रोजगार के लिए नियुक्ति पत्र भी सौंपे गए है। यह नियुक्ति पत्र जीवन में आगे बढ़ने की सीढ़ी और उनकी योग्यता का प्रमाण भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वावलम्बन एवं स्वाभिमान युवाओं के उत्थान व कल्याण के दो महत्वपूर्ण आधार स्तम्भ है। सरकार ने युवाओं के स्वाभिमान की रक्षा के लिए नौकरियों को मिशन मेरिट में बदला है और योग्यता के आधार पर बिना खर्ची पर्ची के सरकारी नौकरियां देकर युवाओं का मनोबल बढ़ाया हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से अब तक निजी उद्योगों में भी 19 लाख युवाओं को रोजगार के अवसर मिलें है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 24 लाख 43 हजार युवाओं को स्वरोजगार खड़ा करने के लिए आर्थिक सहायता देने का कार्य किया गया है। इस प्रकार निजी क्षेत्र में भी रोजगार तथा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत लाखों युवाओं को लाभ पहुंचाया है और इसे आगे भी पहुंचाया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को बार बार आवेदन एवं फीस से निजात दिलाने के लिए एकल पंजीकरण सुविधा तथा प्रतियोगी परीक्षा के लिए कॉमन पात्रता परीक्षा का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत एक लाख रुपए से कम वार्षिक आय वाले परिवारों के युवाओं को योग्यता के आधार पर हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से रोजगार सुनिश्चित किया गया है। 2030 तक राज्य का हर युवा हुनरमंद और वित्तीय रूप से बने समृद्ध उन्होंने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के सपने के अनुरूप युवाओं को रोजगार में सक्षम, चरित्रवान और उनमें नैतिक गुणों का समावेश करने के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है। नई शिक्षा नीति के मूल उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में स्कूल से लेकर विश्वविद्यालय तक की शिक्षा को कौशल से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक राज्य का हर युवा हुनरमंद और वित्तीय रूप से समृद्ध बने। हरियाणा संयुक्त राष्ट्र के वर्ष 2030 तक के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

एसपी-डीएसपी चला रहे थे वसूली का 'खेल'

गुवाहाटी। असम के बालाजी में बड़े स्तर पर जबरन वसूली के खेल का भंडाफोड़ हुआ है। राज्य की सीआईडी ने मामले का खुलासा किया और 64 लाख रुपए बरामद किए। बरामदगी की रकम से आप भले ही हैरान ना हों लेकिन गिरफ्तार किए गए लोगों के नाम और उनके प्रोफेशन जानकर जरूर दंग रह जाएंगे। सीआईडी ने इस केस में एसपी-डीएसपी रैंक के अधिकारियों को पकड़ा है, जो जिले के कारोबारियों को निशाना बनाते थे और पैसा ऐंठते थे। स्पेशल डीजीपी हरमीत सिंह ने बताया कि गिरफ्तार एसपी-डीएसपी के पास से 21 ब्लैंक चेक मिले हैं। चेक एक कारोबारी की मां ने हस्ताक्षर किए थे, जो संभवतः धमकी के बाद उन्हें मिले थे। सीआईडी ने बालाजी के एसपी के 1 डीएसपी,2 एसआई समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया है।

विलुप्ति की कगार पर थार रेगिस्तान

कई सदियों से दक्षिण एशियाई मानसून ने भारत में जीवन को लयबद्ध किया है। इसके प्रभाव से हमेशा से पूर्वी क्षेत्र हरा-भरा रहा है जबकि पश्चिम में स्थित विशाल थार रेगिस्तान सूखा रहा है। इस जलवायु ने अनेकों सभ्यताओं और संस्कृतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लेकिन अब इस जलवायु पर एक बड़ा खतरा मंडरा रहा है। हालिया अध्ययन के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग के कारण वर्तमान मौसम के पैटर्न में परिवर्तन की संभावना है जिससे मानसून पश्चिम की ओर सरक रहा है। ऐसा ही चलता रहा तो मात्र एक सदी की अवधि में यह विशाल थार रेगिस्तान पूरी तरह से गायब हो सकता है।

इस परिवर्तन से एक अरब से अधिक लोग प्रभावित हो सकते हैं। स्क्रिप्स इंस्टीट्यूशन ऑफ ओशिएनोग्राफी के जलवायु वैज्ञानिक शांग-पिंग झी का विचार है कि इस अध्ययन का निहितार्थ है कि थार रेगिस्तान में बाढ़ें आएंगी जो पिछले वर्ष पाकिस्तान में आई भयंकर बाढ़ जैसी हो सकती हैं जिसमें 80 लाख लोग बेघर हो गए थे और लगभग 15 अरब डॉलर की संपत्ति का नुकसान हुआ था। आम तौर पर ऐसा कहा जाता है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण रेगिस्तान फैलेंगे, लेकिन इसके विपरीत थार रेगिस्तान के हरियाने संभावना है। इस पैटर्न को समझने के लिए शोधकर्ताओं ने दक्षिण एशिया के आधी सदी के मौसमी आंकड़ों का अध्ययन किया। एकत्रित डैटा में उन्होंने मानसूनी वर्षा को पश्चिम की ओर खिसकते पाया, इससे कुछ शुष्क उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में वर्षा में 50 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है जबकि आर्द्र पूर्वी क्षेत्र में वर्षा में कमी आई है। अर्थ्स फ्यूचर में प्रकाशित भूपेंद्र यादव व साथियों के इस जलवायु मॉडल का अनुमान है कि मानसून के पश्चिम की ओर 500 किलोमीटर से अधिक खिसकने के कारण अगली सदी तक थार में लगभग दुगनी वर्षा होने लगेगी। इसका मुख्य कारण हिंद महासागर का असमान रूप से गर्म होना है, जिससे कम दबाव का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र पश्चिम की ओर खिसकेगा जिससे बरसात में परिवर्तन होगा। परिणामस्वरूप भारत में शुष्क मौसम का प्रतीक थार रेगिस्तान सदी के अंत तक हरा-भरा हो सकता है। और तो और, यह वर्षा रिमझिम नहीं होगी बल्कि काफी तेज़ होगी जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ जाएगा। अलबत्ता, इस बदलाव का सदुपयोग भी किया जा सकता है। वर्षा जल का संचयन और भूजल भंडार रणनीतियों को मज़बूत करके थार के कृषि क्षेत्र को पुनर्जीवित किया जा सकता है। यह उस काल जैसा हो सकता है जब 5000 वर्ष पूर्व सिंधु घाटी सभ्यता विकसित हुई थी। साथ ही, भारी बारिश से जुड़े कई खतरे भी होंगे। पाकिस्तान में हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ संभावित तबाही के संकेत देती है। स्पष्ट है कि बदलते जलवायु क्षेत्रों की बारीकी से निगरानी करना होगी और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी ज़रूरी है जहां मामूली जलवायु परिवर्तन भी विनाशकारी परिणाम ला सकते हैं। (स्रोत फीचर्स)

पसीना बहाकर डिटॉक्स भ्रम मात्र है

वैसे तो लोग पसीने से नाक-भौं सिकोड़ते हैं और इससे निजात पाने के लिए तरह-तरह के डिओ और अन्य उपाय अपनाते हैं। लेकिन आजकल पसीना चलन और स्टाइल में है, खासकर जिम में। इसके अलावा पसीना बहाने के लिए तरह-तरह के विकल्प चलन में हैं, जैसे हॉट योगा, इन्फ्रारेड सौना वगैरह। लोग ये सब इस चाह में अपना रहे हैं कि इस तरह पसीना बहाकर वे अपने शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल देंगे, अन्य शब्दों में कहें तो शरीर को डिटॉक्स कर देंगे।

लेकिन वास्तविकता थोड़ी अलग है। पसीना बहाऊ गतिविधियां करके आप शरीर से अधिकतर पानी ही बाहर निकालते हैं और अन्य पदार्थ न के बराबर। पसीना मुख्यतः हमारे शरीर को ठंडा रखने के लिए निकलता है, शरीर से अपशिष्ट या विषाक्त पदार्थ बाहर निकालने के लिए नहीं। इस काम के लिए हमारे शरीर में किडनी और लीवर हैं।

मैकगिल युनिवर्सिटी में विज्ञान और समाज विभाग के निदेशक व रसायन शास्त्री जो श्वार्क्ज़ बताते हैं कि पसीने से शरीर को डिटॉक्स करने की बात एक मिथक है। पसीने में ज़्यादातर पानी होता है, साथ ही इसमें अत्यल्प मात्रा में अन्य सैकड़ों पदार्थ हो सकते हैं जिनमें से कुछ विषैले पदार्थ भी हो सकते हैं। इसलिए जब भी इस तरह डिटॉक्स करने की बात हो तो ये सवाल ज़रूरी है कि पसीना बहाकर कितना डिटॉक्स होगा? और क्या? क्या पसीने के साथ कीटनाशक शरीर से बाहर निकल जाएंगे? धातुएं या कुछ और बाहर निकल जाएगा?

जब आप इस बात पर गौर करेंगे कि वास्तव में हमारे शरीर में विषाक्त पदार्थ कैसे जमा होते हैं, उनके गुण क्या हैं, और शरीर उनसे छुटकारा पाने के क्या तरीके अपनाता है तो आप पाएंगे कि अधिकांश डिटॉक्स योजनाएं बकवास हैं।

जब हमारा शरीर गर्म होता है या हम व्यायाम करते हैं तो हमारे पूरे शरीर में फैली एक्राइन ग्रंथियां पसीना स्रावित करती हैं। हमारे शरीर में इनकी संख्या करीब तीस लाख है। चूंकि हमारा शरीर अपने को ठंडा रखने के लिए पसीना बहाता हैं इसलिए इसमें 99 प्रतिशत से अधिक पानी होता है। इस पानी में बहुत थोड़ी मात्रा में सोडियम और कैल्शियम जैसे खनिज, विभिन्न प्रोटीन, लैक्टिक एसिड और थोड़ा यूरिया होता है।

यूरिया भोजन में प्रोटीन के टूटने से लीवर में बनता है। यह हमारे शरीर में बनने वाला एक अपशिष्ट उत्पाद है। यह कहना तो ठीक है कि पसीने के साथ शरीर से थोड़ा यूरिया भी निकल जाता है लेकिन सच्चाई यह है कि इसका अधिकांश हिस्सा पेशाब के ज़रिए शरीर से बाहर निकलता है और यह काम किडनी करती है।

अब बात करते हैं मानव निर्मित प्रदूषकों की। कार्बनिक प्रदूषक जैसे कीटनाशक, अग्निरोधी और पॉलीक्लोरिनेटेड

बाइफिनाइल (पीसीबी) शरीर में प्रवेश करके शरीर की वसा में जाकर जमा हो जाते हैं क्योंकि ये पदार्थ वसा-प्रेमी (या वसा में घुलनशील) होते हैं। पसीने में मुख्यतः पानी होता है, वसा नहीं। नतीजतन, ये वसा-प्रेमी पदार्थ पानी में नहीं घुलते और पसीने के साथ इतनी कम मात्रा में निकलते हैं कि इसे डिटॉक्स कहना व्यर्थ है। ओटावा विश्वविद्यालय के एक्सरसाइज़ फिज़ियोलॉजिस्ट पास्कल इम्बॉल्ट ने 2018 में अपने अध्ययन में पसीने में इन्हीं विषाक्त पदार्थों की मात्रा की गणना की थी। और पाया था कि 45 मिनट का कठोर व्यायाम करके कोई सामान्य व्यक्ति पूरे दिन में कुल दो लीटर पसीना बहा सकता है, और इस पसीने में इन प्रदूषकों की मात्रा एक नैनोग्राम के दसवें हिस्से से भी कम होती है।

इसे इस तरह समझते हैं कि आप दिन भर में जितनी भी मात्रा में विषाक्त पदार्थ का सेवन करते हैं पसीने के साथ उसका महज 0.02 प्रतिशत हिस्सा ही बहाते हैं। और आप कुछ भी करके पूरे दिन में अधिक से अधिक दैनिक सेवन का 0.04 प्रतिशत तक ही प्रदूषक पसीने में बहा सकते हैं।

यह भी बात ध्यान में रखने की है कि अधिकांश लोगों के शरीर में कीटनाशकों और अन्य प्रदूषकों का स्तर बेहद कम होता है। सिर्फ इसलिए कि वे हमारे शरीर में मौजूद हैं इसका मतलब यह नहीं है कि उनकी इतनी मात्रा हमें कोई नुकसान पहुंचा रही है, या शरीर से इन्हें हटाने से स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

चलिए अब इस मिथक की लेशमात्र सच्चाई को देखते हैं। प्लास्टिक में मौजूद सीसा जैसी भारी धातुएं और बीपीए वसा की जगह पानी में आसानी से घुलते हैं। इसलिए ये बहुत थोड़ी मात्रा में पसीने के साथ बाहर निकल जाते हैं। लेकिन तथ्य यह है कि बीपीए का अधिकांश हिस्सा पेशाब के ज़रिए शरीर से निकलता है।

लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप पानी पी-पीकर पेशाब करते रहें ताकि शरीर विषमुक्त रहे। इसकी बजाय विशेषज्ञों की सलाह है कि प्लास्टिक की चीज़ों में खाने-पीने से बचें ताकि बीपीए का सेवन कम से कम हो। कोशिश करें कि कीटनाशक या अन्य प्रदूषक रहित खाद्य का सेवन करें और इनके संपर्क में आने से बचें। इसके अलावा शरीर के सफाईकर्मी अंग यानी किडनी को स्वस्थ रखें - इसके लिए आप धूम्रपान से, उच्च रक्तचाप और इबुप्रोफेन जैसी दर्दनिवारक दवाइयों के अत्यधिक उपयोग से बचें। और पर्याप्त पानी पिएं। शरीर में पानी की कमी से किडनी पर दबाव पड़ता है, इसलिए पर्याप्त पानी पिए बिना खूब पसीना बहाने से शरीर की सफाई प्रणाली गड़बड़ा सकती है।

और, बाज़ार के चलन के झांसे में न आएं। बाज़ार जानता है कि हर मनुष्य स्वस्थ रहना चाहता है। और, क्योंकि हम विषाक्त पदार्थों को देख नहीं सकते इसलिए बाज़ार लोगों को बहुत आसानी से यह विश्वास दिला देता है कि इस तरह का उपवास करने से, डाइट प्लान लेने से, या सलाद-सब्ज़ियां खाने या जूस पीने से, या बहुत अधिक पसीना बहाने के उनके विकल्प अपनाकर आप स्वस्थ रहेंगे।

दरअसल, कई मामलों में स्वेट थेरेपी की अति से लोगों की जान तक गई है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन के अनुसार एक बार में 10 मिनट से अधिक समय तक सौना रूम में नहीं रहना चाहिए। 2011 में, एरिज़ोना में एक स्व-सहायता गुरु द्वारा आयोजित दो घंटे लंबे पसीना समारोह के बाद तीन लोगों की मौत हो गई थी। इसी वर्ष, क्यूबेक में एक 35 वर्षीय महिला की मृत्यु हो गई थी। इस महिला के शरीर पर डिटॉक्स स्पा उपचार के तहत मिट्टी का लेप किया गया था, फिर उसे प्लास्टिक में लपेटकर सिर पर एक कार्डबोर्ड का बक्सा रख दिया गया। और ऊपर से कंबल ओढ़ाकर उसे नौ घंटे तक रखा गया। इस तरह वह पसीना तो बहाती रही लेकिन उपचार के कुछ घंटों बाद ही अत्यधिक गर्मी के कारण उसकी मृत्यु हो गई।

यह तो जानी-मानी बात है कि बाज़ार आपकी स्वस्थ रहने और अन्य हसरतों को जानता है। इसका फायदा उठाकर वह दावे करता है कि कोई उत्पाद या विकल्प अपनाकर आप तुरंत वैसे हो सकते हैं जैसे आप होना चाहते हैं। बाज़ार को रोकना मुश्किल है, लेकिन आप बाज़ार के झांसे में न आएं और समझदारी से काम लें। (स्रोत फीचर्स)

शक्कर का संसार

डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन

डॉ. उल्बे बोस्मा की पुस्तक दी वर्ल्ड ऑफ शुगर (शकर का संसार) को हाल ही में हारवर्ड युनिवर्सिटी प्रेस ने प्रकाशित किया है। यह पुस्तक बताती है कि शकर का सामाजिक प्रभुत्व एक हालिया सामाजिक घटना है। भारत में छठी शताब्दी से दानेदार चीनी बनाई और खाई जा रही है। वास्तव में, डॉ. के. टी. अचया अपनी पुस्तक इंडियन फूड - ए हिस्टोरिकल कम्पेनियन (भारतीय भोजन - एक ऐतिहासिक सहचर) में बताते हैं कि भारत में गन्ने के बारे में अथर्ववेद के समय (लगभग 900 ईसा पूर्व) से और गुड़ के बारे में 800 ईसा पूर्व से पता रहा है।

हालांकि, दानेदार शकर के बारे में जानकारी छठवीं शताब्दी से थी, लेकिन परिष्कृत शकर 19वीं शताब्दी में युरोप में व्यापक पैमाने पर फैली। जैसा कि लेखक बताते हैं, शकर का सामाजिक प्रभुत्व प्रगति की कहानी है, और साथ ही शोषण, नस्लवाद, मोटापे और पर्यावरण विनाश की कड़वी-मीठी कहानी है।

गुलामों का व्यापार

दी कनवर्सेशन में एक लेख प्रकाशित हुआ है- 'ए हिस्ट्री ऑफ शुगर इन दी फूड देट नोबडी नीड्स, बट एव्रीवन क्रेव्स फॉर' (शकर का इतिहास - ऐसा खाद्य जिसकी किसी को ज़रूरत नहीं है, लेकिन हर कोई तरसता है)। इस लेख में बताया गया है कि किस तरह शकर का उत्पादन मध्य पूर्व में, और औपनिवेशिक काल के दौरान गुलामों द्वारा वेस्ट इंडीज़ में, और ब्राज़ील में किया जाता था। ब्राज़ील और कैरेबियाई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर गन्ना बागानों में काम करने के लिए श्रमिकों की भारी मांग थी। यह मांग अटलांटिक-पार गुलाम व्यापार से पूरी हुई, जिसके परिणामस्वरूप 1501 से 1867 के बीच लगभग 1,25,70,000 लोगों को अफ्रीका से अमेरिका महाद्वीप भेजा गया। प्रत्येक यात्रा में लोगों की मृत्यु दर संभवतः 25 प्रतिशत तक थी, और इसमें 10 लाख से 20 लाख लाशों को समुद्र में फेंका गया था। सौभाग्य से, अब दास व्यापार समाप्त हो गया है। ब्राज़ील और भारत शीर्ष शकर उत्पादक बने हुए हैं, और अब वैश्विक शकर उत्पादन में लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा चुकंदर से आता है।

भारत में हम सभी गन्ने और उससे बनी दानेदार शकर से परिचित हैं। हमारे यहां गुड़ भी है जो

स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है। आजकल लोग यह जानना चाहते हैं कि क्या थैलीबंद दानेदार चीनी की अपेक्षा ठेलेवालों द्वारा बेचा जाने वाला ताज़ा गन्ने का रस लेना बेहतर है। इसका जवाब है - हां, क्योंकि इसमें थोड़ी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट और खनिज होते हैं जो चीनी बनाते समय नष्ट हो जाते हैं। गुड़ को अक्सर अन्य तरह की शकर की तुलना में स्वास्थ्यवर्धक बताया जाता है, क्योंकि इसमें एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन और खनिज होते हैं।

स्वास्थ्य जोखिम

वैसे हम सभी जानते हैं कि किसी भी प्रकार की शकर का बहुत अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इससे मधुमेह हो सकता है, जिसमें शकर का अधिक सेवन रक्तप्रवाह में इंसुलिन स्रवण को शुरू करवाता है जिससे दृष्टि की दिक्कतें, और हृदय और किडनी सम्बंधी समस्याएं हो सकती हैं। यही कारण है कि डॉक्टर बहुत अधिक मीठा न खाने का सुझाव देते हैं। टाइप-1 डायबिटीज़ के रोगियों को इंसुलिन का इंजेक्शन लेना पड़ता है, जबकि टाइप-2 डायबिटीज़ रोगियों को रक्त में ग्लूकोज़ का स्तर सावधानीपूर्वक नियंत्रित रखना पड़ता है, और शकर के विकल्प (स्टीवियोल ग्लायकोसाइड या सुक्रेलोज़ वगैरह) लेना पड़ता है। हाल ही में जीन क्लीनिक नामक कंपनी ने एक ऐसा उपकरण पेश किया है जो बांह या पेट पर एक पट्टी की तरह चिपक जाता है। हमेशा पहनने योग्य यह उपकरण आपको रक्त में ग्लूकोज़ का स्तर बताता है, और ज़रूरत पड़ने पर यह भी बताता है कि कब आपको अपने डॉक्टर से परामर्श लेना है। इन सबके मद्देनज़र शकर का सेवन कम करना सबसे अच्छा है। यह हमारे स्वास्थ्य के लिए सर्वोत्तम है। (स्रोत फीचर्स)

क्या सिर्फ रसायन कृषि उत्पादकता बढ़ाते हैं?

भारत डोगरा

पिछले करीब 50 वर्षों से भारत ने कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के लिए रासायनिक खाद व कीटनाशक, खरपतवारनाशक आदि रसायनों पर अधिकतम ध्यान दिया है। इसके लिए हज़ारों किस्म के पंरपरागत, विविधतापूर्ण बीजों को हटाकर ऐसी नई हरित क्रांति किस्मों (एच.वाई.वी.) को प्राथमिकता दी गई जो रासायनिक उर्वरकों की अधिक मात्रा के अनुकूल हैं व जिनके लिए कीटनाशकों आदि की ज़रूरत ज़्यादा पड़ती है।

इस नीति को अपनाने से मिट्टी, पानी, खाद्यों की गुणवत्ता, परागण करने वाले मित्र कीटों व पक्षियों के साथ पूरे पर्यावरण पर बहुत प्रतिकूल असर पड़ता है।

लंदन फूड कमीशन की चर्चित रिपोर्ट बताती है कि ब्रिटेन में मान्यता प्राप्त कीटनाशकों व जंतुनाशकों का सम्बंध कैंसर व जन्मजात विकारों से पाया गया है। अमेरिका में नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस की एक रिपोर्ट ने बताया है कि खाद्य में कीटनाशकों की उपस्थिति के कारण कैंसर के दस लाख अतिरिक्त मामले बढ़ने की संभावना है। विश्व संसाधन रिपोर्ट में बताया गया है कि कीटनाशकों का बहुत कम हिस्सा (कुछ कीटनाशकों में मात्र 0.1 प्रतिशत) ही अपने लक्ष्य कीटों को मारता है। शेष कीटनाशक अन्य जीवों को नुकसान पहुंचाते हैं तथा भूमि व जल को प्रदूषित करते हैं। पोषण विशेषज्ञ सी. गोपालन ने बताया है कि रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंन उपयोग से मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्वों की गंभीर कमी हो गई है जो इसमें उगे खाद्यों में भी नज़र आने लगी है।

प्रति हैक्टर उत्पादकता में औसत वार्षिक वृद्धि (प्रतिशत)

फसल	हरित क्रांति पूर्व (1951-61)	हरित क्रांति पश्चात (1968-81)
गेंहू	3.7	3.3
धान	3.2	2.7
ज्वार	3.4	2.9
बाजरा	2.6	6.3
मक्का	4.8	1.7
मोटे अनाज	2.6	1.5
दालें	2.3	-0.2
तिलहन	1.3	0.8
कपास	3.0	2.6
गन्ना	1.6	3.1

(स्रोतः 12वीं पंचवर्षीय योजना)

इन प्रभावों के बावजूद कहा जाता है कि एच.वाई.वी. बीजों को अपनाए बिना खाद्य उत्पादन व कृषि उत्पादन बढ़ाना संभव नहीं था। यह एक बहुत बड़ा मिथक है जिसे निहित स्वार्थों ने फैलाया है ताकि वे रासायनिक उर्वरक व कीटनाशक पर आधारित नीतियों का प्रसार करते रहें जिसके चलते पर्यावरण रक्षा करने वाले विकल्प उपेक्षित रहे हैं।

दूसरी ओर, हरित क्रांति से पहले व बाद के कृषि उत्पादकता के आंकड़ों से यह स्पष्ट पता चलता है कि वास्तव में हरित क्रांति से पहले कृषि उत्पादकता की वृद्धि दर बेहतर थी, जबकि इस दौरान रासायनिक खाद व

कीटनाशक दवाओं का उपयोग बहुत ही कम था।

12वीं पंचवर्षीय योजना के दस्तावेज़ में इस बारे में विस्तृत आंकड़े प्रकाशित किए गए हैं कि हरित क्रांति से पहले के 15 वर्षों में उत्पादकता वृद्धि कितनी हुई है तथा उसके बाद उत्पादकता वृद्धि कितनी हुई है? यह जानकारी तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका से स्पष्ट है कि हरित क्रांति से उत्पादकता में शीघ्र वृद्धि की बात महज एक मिथक है। दूसरी ओर यह सच है कि हरित क्रांति के दौर में रासायनिक उर्वरक, कीटनाशक वगैरह पर खर्च बहुत तेज़ी से बढ़ा है। पहले 15 वर्षों की अपेक्षा बाद के 12 वर्षों में रासायनिक उर्वरकों की खपत लगभग छह गुना बढ़ गई व कीटनाशकों में वृद्धि इससे भी कहीं अधिक थी।

यह बहुत ज़रूरी है कि अनुचित मिथकों से छुटकारा पाया जाए व सही तथ्यों को देखा जाए ताकि किसानों के हित व पर्यावरण रक्षा वाली नीतियां अपनाई जाएं तथा किसानों के अनावश्यक खर्चों को कम कर उनके संकट के समाधान की ओर बढ़ा जाए। इस समय देश और दुनिया में सैकड़ों उदाहरण उपलब्ध हैं जहां महंगी रासायनिक खाद व कीटनाशकों के बिना अच्छी कृषि उत्पादकता प्राप्त की गई है। इनसे सीखते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

इस संदर्भ में विख्यात कृषि वैज्ञानिक डॉ. आर. एच. रिछारिया के कार्य से भी बहुत सीख मिलती है। 25 वर्ष की उम्र में ही कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि हासिल करने के कुछ वर्षों पश्चात वर्ष 1959 में वे केंद्रीय धान अनुसंधान केंद्र के निदेशक नियुक्त हुए व वर्ष 1967 तक इस पद पर रहे। वर्ष 1971 में वे मध्यप्रदेश के धान अनुसंधान संस्थान के निदेशक नियुक्त हुए तथा 1976 तक इस पद पर रहे।

डॉ. रिछारिया धान विशेषज्ञ थे। इस संदर्भ में उन्होंने हमेशा एक बात कही कि धान की खेती का विकास स्थानीय प्रजातियों के आधार पर ही होना चाहिए। हमारे देश में धान की बहुत समृद्ध जैव-विविधता मौजूद है व किसानों को इस बारे में बहुत परंपरागत ज्ञान है। वे कई पीढ़ियों से इन विविध किस्मों को अपने खेतों पर उगाते आ रहे हैं। पर हाल के वर्षों की अनुचित नीतियों के कारण परंपरागत बीज तेज़ी से लुप्त होते जा रहे हैं। अतः इनका संरक्षण अब बहुत आवश्यक है जो किसानों के खेतों पर ही जीवंत रूप से संभव है।

उन्होंने कीटनाशक त्यागने व रासायनिक खाद के बहुत कम उपयोग पर ज़ोर दिया। उन्होंने रासायनिक खाद व कीटनाशकों के अनुकूल नई किस्में लाने के स्थान पर परंपरागत किस्मों में ही बहुत अच्छी उत्पादकता देने वाली किस्मों की पहचान की। इनकी उत्पादकता तथाकथित हरित क्रांति में उपयोग की गई किस्मों के बराबर या अधिक है।

उन्होंने परंपरागत बीजों व किस्मों सम्बंधी किसानों (विशेषकर आदिवासी किसानों) के ज्ञान की प्रशंसा की तथा इस परंपरागत ज्ञान का भरपूर उपयोग करते हुए कृषि अनुसंधान व प्रसार की एक वैकल्पिक विकेंद्रित व्यवस्था विकसित करने का आग्रह किया। उनका कहना था कि इस व्यवस्था में गांवों में ही अनुभवी किसानों की सहायता से खेती (विशेषकर धान की खेती) के अनुसंधान केंद्र विकसित किए जाने चाहिए। किसानों के परंपरागत ज्ञान का उपयोग करते हुए व उनकी भागीदारी से वैज्ञानिकों को अपना सहयोग देना चाहिए।

डॉ. रिछारिया ने कृषि अनुसंधान की जो सोच रखी थी उसमें स्वाभाविक रूप से किसानों का खर्च कम होता है, उनकी आत्म निर्भरता बढ़ती है व उनके परंपरागत ज्ञान का संरक्षण व प्रसार होता है। साथ में आधुनिक विज्ञान की नई बातों का उपयोग होता है व यह स्पष्ट होता है कि किसानों को आधुनिक विज्ञान से क्या चाहिए व क्या नहीं चाहिए।

जलवायु बदलाव के दौर में डॉ. रिछारिया के इस सोच की उपयोगिता और भी बढ़ गई है क्योंकि इससे खेती में बदलते मौसम के अनुकूल व्यावहारिक बदलाव करने की किसानों की क्षमता निश्चित तौर पर बढ़ जाती है। डॉ. रिछारिया द्वारा बनाई गई व्यवस्था में किसान स्वयं बदलते मौसम के अनुसार अपनी कृषि में ज़रूरी बदलाव कर सकते हैं।

परंपरागत बीजों की उपलब्धता शीघ्र बढ़ाने में उनकी क्नोनल प्रोपेगेशन तकनीक या कृन्तक प्रसार विधि से बहुत मदद मिलती है। (स्रोत फीचर्स)

सार समाचार

किशोरी बालिकाओं का दो दिवसीय जीवन कौशल प्रशिक्षण सम्पन्न

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

बाप क्षेत्र के मालमसिंह की सिडा में संचालित राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित हुआ दो दिवसीय किशोरी जीवन कौशल प्रशिक्षण शनिवार को सम्पन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में कक्षा 8 से 12 तक की 70 किशोरियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के पहले दिन प्रशिक्षिका कंचन थानवी ने किशोरियों की जेंडर, लिंगभेद, किशोर-किशोरियों के लिए उचित वातावरण संबंधी मुद्दो पर समझ बनाई। दूसरा दशक की समन्वयक प्रीति राठौड़ ने पोषण, माहवारी, भविष्य के सपने आदि पर चर्चा की। किशोरियों को स्वस्थ रहने के लिए संतुलित आहार लेने की सलाह दी और माहवारी के समय स्वच्छता के बारे में समझ बनाई। कार्यकर्ता बशीरों ने किशोरियों को किचन गार्डन व ओपन स्टेट की जानकारी दी। किशोरियों में पूजा, सुशीला, गंगा आदि ने अनुभव शेयर किये।इस मौके प्रधानाचार्य रामचंद्रसिंह, वरिष्ठ अध्यापक खियाराम थोरी, जगदीश गोदारा, पूनमचंद विश्नोई, प्रेम प्रकाश आदि उपस्थित थे।

विधायक रहे बाप क्षेत्र के दौरे पर, सुने अभाव अभियोग

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

फलोदी विधायक मास्टर पब्बाराम विश्नोई शनिवार को बाप क्षेत्र के दौरे पर रहे। विधायक ने बाप में व्यापार मंडल अध्यक्ष तिलोक राठी की माता सीता देवी के स्वर्गवास पर आयोजित शौक सभा मे पहुच परिजनो को सांत्वना दी। इसके बाद बाप निवासी आसाराम मुंधा की माता के देहांत, सलीम तेली की धर्मपत्नी, मास्टर कन्हैयालाल पालीवाल की भुआ व बीजेपी नेता मेगराज माली के आकस्मिक निधन पर उनके निवास पहुच शोक प्रकट किया। जेतड़ासर निवासी लिखमदास भील की धर्मपत्नी के गौलोक सिधारने पर परिजनो से मिल दुख बांटा। कानासर लिखमासर निवासी बिसनाराम मेगवाल के निधन पर उनके भाई पूर्व प्रधान किरताराम व परिजनों से मिले व शोक प्रकट किया। सहीराम विश्नोई नेवा कानासर के पुत्र के विद्युत करंट से मौत पर उनके परिवार जनों से मिल दुख बांटा। इस दौरान कानासर सरपंच प्रतिनिधि संजय गोदारा, भाजपा नेता एडवोकेट मदन शर्मा, ओमप्रकाश राठी, अखेराज खत्री, भाजपा ओबीसी जिला अध्यक्ष मुरलीधर तँवर, उपाध्यक्ष विजय कुमावत आदि साथ थे।

फलोदी के पहले ग्रामीण ज्ञान ज्योति केंद्र का हुआ समारोहपूर्वक लोकार्पण

आईआरएस अशोक गोदारा की अनूठी पहल

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

एनएचपीसी के सीएसआर फंड से विवेकानंद मॉडल स्कूल फलोदी में स्थापित फलोदी के पहले ग्रामीण ज्ञान ज्योति केंद्र का उद्घाटन शनिवार को आईआरएस अशोक गोदारा के मुख्य आतिथ्य तथा जयराम गज्जा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने बताया कि यह ग्रामीण ज्ञान ज्योति केंद्र फलोदी क्षेत्र के सात स्थान पर खोले जा रहे हैं। इनमें ग्रामीण प्रतिभाओं को निखार कर आईएएस, आरएएस, नीट, आईआईटी जैसी उच्च स्तरीय परीक्षाओं की कोचिंग देने के उद्देश्य से प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा ऑनलाइन टीचिंग के माध्यम से कक्षाएं संचालित की जाएगी। इस अवसर पर अशोक गोदारा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, किंतु उन प्रतिभाओं को उचित मार्गदर्शन नहीं मिल पाता है। यह सभी केंद्र प्रतिभाओं के मार्गदर्शन की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। इन केंद्रों की ग्रामीण परिवेश के विद्यार्थियों की दिशा और दशा बदलने में महत्ती भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि फलोदी का भविष्य संवारेंगे तथा इस धोरा धरती से भी हीरे निकालेंगे। उन्होंने कहा फलोदी के लोगों में क्षमता और संभावनाएं अपार है, आवश्यकता है तो केवल उनके आत्मविश्वास और आंतरिक शक्ति को जगाने की। इस दौरान उन्होंने बताया कि आज भारत विश्व शक्ति के रूप में उभर रहा है। विश्व स्तर पर आज बढ़े हुए आत्मविश्वास के कारण ही जी 20 का नेतृत्व भारत कर रहा है। भारत की ताकत को बढ़ाने के लिए शिक्षा का प्रचार प्रसार बहुत जरूरी है। इस अवसर पर अध्यक्ष जयराम गज्जा ने पधारे हुए अभिभावकों से आह्वान किया कि अपने बालक-बालिकाओं को इन संचालित केंद्रों पर भेज कर यथेष्ट लाभ उठाएं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि धनसुख टरू ने इस नवाचार को गुदड़ी के लालों के लिए अभूतपूर्व पहल बताया और इसके लिए आईआरएस अशोक गोदारा को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर शिक्षाविद् मनमोहन पुरोहित, जयप्रकाश छींपा, अशोक बिश्नोई, भीखम चंद सोनी, प्रमोद थानवी, नगर परिषद पार्षद अशोक व्यास, एसएमसी अध्यक्ष जितेंद्र छंगानी, दिलीप सिंह राजपुरोहित, गोवर्धन सोनी, शिक्षक नेता अरुण व्यास, मुरली कटारिया, रेंवत लीलावत, युवा नेता जयप्रकाश बोहरा, हरदेव कल्ला भंवरलाल सोलंकी, सुखराम आरपी, श्रवण उदाणी आरपी, हंसराज खिचड़ इत्यादि उपस्थित थे। इस केंद्र के प्रेरक अध्यापक अशोक कुमार भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संस्था प्रधान देवेंद्र थानवी ने भामाशाहों से धन्यवाद ज्ञापित किया है तथा कार्यक्रम में शामिल हुए सभी विशिष्ट व्यक्तित्वों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विशंभर थानवी एवं प्रेमाराम द्वारा किया गया।

पवेनी सरपंच का अंधा कानून, आमजन हो रहा परेशान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट जिला धौलपुर के सरमथुरा उपखण्ड के पबेनी ग्राम पंचायत, (तह. सरमथुरा) में मुख्यालय में हायर सेकेंडरी स्कूल के सामने दशकों से कीचड़ का माहौल था। जहां गत महीने ग्राम पंचायत द्वारा आरसीसी सड़क का निर्माण किया है। सड़क निर्माण में घटिया सामग्री की शिकायत के आधार पर करीब 10 दिन कर रुक रहा और ग्रामीणों ने काम करने से ठेकेदार को रोक दिया था। ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क में नीचे फैक्ट्री का कचरा भर दिया है जो कुछ वर्षों में यह सड़क टूट जाएगी। इसके अलावा सड़क निर्माण में घटिया सामग्री के साथ-साथ इसके ऊपर का स्तर ऊंचा नीचा और असमतल होने के कारण वाहन चलाने में तकलीफ होती है। इसके अलावा इस सड़क पर अभी भी मिट्टी पड़ी हुई है जिससे बरसात के बाद कीचड़ बन गया है और आमजन को आने-जाने में बेहद तकलीफ हो रही है और इसके साथ दोनों तरफ बनाई गई नालियों में यह मिट्टी भर गई है जिससे नाली भी जाम हो चुकी है। नियम विरुद्ध बने इस सड़क निर्माण की जांच की मांग ग्रामीणों ने की है जो जायज है। हालांकि उच्च अधिकारी और ग्राम पंचायत का सरपंच आंखें बंद किए हुए हैं। उच्च अधिकारी घटिया कार्य में लिप्त प्रतीत हो रहे हैं। इस सड़क के ऊपर से मिट्टी ना हटाने की शिकायत कंट्रोल रूम धौलपुर कलेक्टर ऑफिस में भी की जा चुकी है लेकिन अभी तक यह मिट्टी नहीं हटाई गई है। फोटो देखने से प्रतीत होता है कि पूरी सड़क पर कीचड़ ही कीचड़ है जिसमें सैकड़ो लोग आने-जाने में परेशान हो रहे हैं लेकिन ग्राम पंचायत कोई ध्यान नहीं दे रही है। घटिया निर्माण की बात को ध्यान में रखते हुए। और राजस्व हानि के साथ-साथ राजस्व की लूट का मुद्दा बनता है इसलिए इस सड़क की जांच निर्माण कार्य की जांच बेहद जरूरी हो गई है। इसके अलावा सरपंच द्वारा निजी घरों में आरसीसी सड़क बनाई गई है जो नियम के विरुद्ध है मतलब सरकारी फंड का दुरुपयोग किया गया है इसकी जांच बहुत जरूरी हो गई है। जाटव मोहल्ले में घर-घर बनाई गई आईसीसी सड़क भी घटिया है और नियम के विरुद्ध घरों में बनाई गई आरसीसी में राजस्व की हानी का स्पष्ट मामला बनता है। जिसकी जांच होनी चाहिए, ऐसा स्थानीय नागरिकों का कहना है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का हुआ आयोजन

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

माननीय रालसा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर के आदेश की पालना में शनिवार को न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट बाप में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया।लोक अदालत की अध्यक्षता लोकेश पडिहार द्वारा की गयी। न्यायालय के कर्मचारीगण नंदकिशोर ओझा एवं घनश्याम माली लिपिक, तामील कुनिन्दा मनोहरराम जांगु तथा अधिवक्तागण विजय तंवर, सुभाष विश्नोई, मदनलाल कुमावत, पप्पुराम, राजेन्द्रसिंह सोलंकी, मूलचंद सुथार, धर्मेन्द्र दर्जी, मोहम्मद रफीक, दलीचंद भी अपने पक्षकारान् के साथ उपस्थित रहे। लोक अदालत में पक्षकारान् के मध्य आपसी समझाईश व लोक अदालत की भावना से जरिये राजीनामा राजस्व प्रकरणों एवं 5 वर्ष एवं 10 वर्ष पुराने प्रकरणों सहित कुल 46 लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

रा. उच्च मा. विद्यालय चिनायटा की चामुंडा देवी मंदिर के पास स्थित खेल मैदान में शनिवार को आयोजित हुए मुकाबले

रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट करौली सूरौठ/तहसील क्षेत्र के गांव चिनायटा में 67 वॉ जिला स्तरीय मा./उ.मा. छात्र खेलकूद प्रतियोगिता का शुक्रवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चिनायटा की चामुंडा देवी मंदिर के पास स्थित खेल मैदान में शनिवार को आयोजित हुए मुकाबले।

।प्रतियोगिता संयोजक प्रधानाचार्य सतीश प्रकाश शर्मा, व शारीरिक शिक्षा ओमप्रकाश डागुर ने बताया कि वॉलीबॉल छात्र वर्ग 19 वर्ष का पहला सेमीफाइनल मुकाबले में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय इनायती ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हाडोती को हराकर फाइनल में प्रवेश किया इसी तरह दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिकरोदा मीना ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कचरोदा को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। छात्र वर्ग 17 वर्ष कुश्ती फाइनल मुकाबले 45 किलोग्राम में अमन सेन मासलपुर ने सुनील चिनायटा को 55 किलोग्राम में अनार सिंह सकरघटा ने अरुण सिंह भागो 80 किलोग्राम वजन में भूपेंद्र नेहरू पब्लिक स्कूल सुरोठ के खिलाड़ी को विजेता घोषित किया गया सॉफ्टबॉल 17 वर्ष सेमीफाइनल के पहले मुकाबले में ढिंढोरा ने इन्द्रा गाँधी सूरौठ को तथा दूसरे सेमीफाइनल मैच में सर्वोदय क्यारदा ने चिनायटा को हराकर फाइनल में प्रवेश किया । प्रतियोगिता पर्यवेक्षक प्रधानाचार्य जगर विकास गुप्ता पीटीआई निर्णायक मंडल में कैलाश जाट,सागर मीना,सोहन सिंह, विक्रम सिंह, सतवीर सिंह, राजू लाल, गोपाल रोत्रवाल, युधिष्ठिर भांकर,तेजसिंह,रुपलाल खटीक,सुनील यादव महीप डागुर, रामसहाय जाटव आदि पीटीआईयों ने निर्णायक की भूमिका रही।

श्री कमलेश्वर महादेव मंदिर पर विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट जिला धौलपुर के बाड़ी उपखंड में कमलेश्वर महादेव मंदिर पर विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस एवं 20 सितंबर को बाड़ी में आयोजित की जाने वाली शौर्य जागरण यात्रा के संदर्भ में नगर अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गयी जिसमें जिला संगठन मंत्री आशीष भारतीय ने शौर्य जागरण यात्रा के बाड़ी पहुचने पर भव्य स्वागत , मोटर साइकिल रैली एवं अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित की जाने वाली विशाल जनसभा के लिये विभिन्न पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गयी एवं नवीन दायित्वों की घोषणा जिला मंत्री वैद्य गिरीश कुमार द्वारा की गयी। सूरज लोधी राजपूत को खंड संयोजक आदमपुर ,विष्णु कुशवाहा गुजर्रा खुर्द खंड संयोजक बजरंग दल, महुआखेड़ा, एवं धर्मेंद्र गुर्जर खंड संयोजक बजरंग दल निधारा को नवीन दायित्व की घोषणा की गयी। बनवारी लाल शिवहरे जिला मठ मन्दिर प्रमुख द्वारा शौर्य जागरण यात्रा को सफल बनाने के लिये सभी सदस्यों को एकजुट होकर कार्यकरने का आह्वान किया गया। बैठक में महेश भटेले प्रखंड अध्यक्ष ,मुकेश कुशवाहा नगर उपाध्यक्ष, कैप्टन बनवारी सिंह परमार, सचिन दीक्षित नगर संयोजक बजरंग दल, महावीर विधौलिया सहसंयोजक बजरंगदल, भूरा पहलवान सहसंयोजक प्रखण्ड बजरंगदल ,समीर गोस्वामी सहसंयोजक प्रखंड बजरंग दल ,विष्णु कुशवाहा खंड संयोजक गुज़र्रा खुर्द, सूरज लोधी राजपूत खंड संयोजक आदमपुर,भोगीराम लोधी राजपूत, चिम्मन दास, दारा सिंह पचौरी नेवी पब्लिक स्कूल, ऋषभ भारद्वाज, ब्रह्मदत्त शर्मा धर्मेंद्र गुर्जर खंड संयोजक निधारा , हरविलास समाधिया समेत काफी संख्या में सनातन धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में राजीनामे के माध्यम से हुआ 1145 प्रकरणों का निस्तारण

चमकता राजस्थान, धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट सचिव महोदय, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के आदेशानुसार एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) धौलपुर सतीश चंद के निर्देशन में 09 सितंबर 2023 को जिले में आमजन को सस्ता, शीघ्र व सुलभ न्याय दिलाये जाने के उद्धेश्य से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सुनीता मीणा द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के निस्तारण हेतु मुख्यालय धौलपुर व सैंपऊ हेतु 05, तथा ताल्लुका मुख्यालय बाडी (बसेडी न्यायालय सहित) पर 03 एवं ताल्लुका राजाखेडा स्तर पर 01 बैंच, इस प्रकार कुल 09 बैंचों का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु धौलपुर जिले में विभिन्न न्यायालयों में लंबित 1798 प्रकरणों को चिन्हित किया गया। धौलपुर जिले में स्थित विभिन्न न्यायालयों में राजीनामा योग्य फौजदारी प्रकरण 826, एन.आई.एक्ट के 47, धन वसूली के 09 प्रकरण, अन्य सिविल मामले 64, एम.ए.सी.टी के 56, वैवाहिक विवाद 30, भरण-पोषण 46, जनउपयोगी सेवाएं 01, उपभोक्ता फोरम के 08, समस्त राजस्व मामले 43, कार्यपालक मजिस्ट्रेट न्यायालय के 15 इस प्रकार कुल 1145 लंबित मामलों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में किया जाकर कुल 30215000/-रूपये राशि का अवार्ड पारित किया गया। इसके साथ ही प्री-लिटिगेशन के बैंक ऋण, टेलिफोन बिल के विवाद व अन्य सिविल विवाद के कुल 164 प्रकरण निस्तारित किये गये।

मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में 49 प्रकरणों में लोक अदालत की भावना से निस्तारण

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट आज दिनांक 09 सितंबर 2023 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत धौलपुर की बैंच संख्या 02 मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण धौलपुर के अध्यक्ष श्री नरेन्द्र मीणा, आर.जे.एस (विशिष्ट न्यायाधीश, एससी/एसटी न्यायालय, धौलपुर) के द्वारा बताया कि एमएसीटी न्यायालय, धौलपुर में लंबित प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सहमति से समझौता कराया जाकर संबंधित विपक्षीगण से पीड़ित पक्षकारों को अवार्ड राशि हेतु अवार्ड/पंचाट जारी किये गये। निष्कर्षत: कुल 66 प्रकरणों को लोक अदालत में रैफर किया गया था जिनमें से कुल 49 प्रकरणों में राजीनामा हेतु समझाइश करवाई जाकर आज लोक अदालत में लंबित प्रकरणों का निस्तारण कर उनमें राशि 2,31,76,000 रूपये के अवार्ड पारित किये गये।

हर घर नल ,योजना नही चढ़ी परवान

गांवों में गिने चुने लोगो को दिए कनेक्शन ,का लगाया आरोप

चमकता राजस्थान /चौमहला रमेश मोदी . सरकार की महत्वकांशी योजना हर घर नल ,हर घर जल योजना अधिकारियों की अनदेखी से परवान नही चढ़ पा रही है । गंगधार उपखंड के मल्हार गंज के निवासियों ने आज उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देकर अवगत कराया है कि सरकार द्वारा हर घर जल जीवन मिशन योजना 2019 से चलाई जा रही है ।जिसका लाभ नागरिको को नही मिल पा रहा है ,गांव में आधे लोगो को नल कनेक्शन दिए गए है

तथा आधे गांव के नागरिक नल कनेक्शन से वंचित है ,उक्त योजना में हर घर नि:शुल्क नल कनेक्शन दिए जाने है लेकिन हमारे गांव में ठेकेदार व उनके मजदूरों ने प्रत्येक कनेक्शन पर 1500 रुपये लिए जाने का आरोप लगाया है ।नागरिको ने ज्ञापन में बताया कि इस बारे में जलदाय विभाग के सहायक अभियंता से मिलकर उनको भी अवगत कराया था ,उन्होंने कहा कि हमे जितने कनेक्शन का आदेश मिला था उतने लगा दिए है ,अब और कनेक्शन नही होंगे ,अगर आगे से और आदेश आता है तो देखेगे ।

सनातन धर्म का मूल आधार है गौ माता - पंडित हेमंत महाराज

सोनलपुरा में आयोजित हो रही संगीतमय भागवत कथा का श्रवण करने पहुंच रहे हैं श्रद्धालु, तीन दिन में गौ सेवार्थ 46 लख रुपए देने की हुई घोषणा

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

बाप क्षेत्र के सोनलपुरा गांव स्थित हनुमान मंदिर परिसर में गौ सेवार्थ आयोजित करवाई जा रही संगीतमय भागवत कथा का श्रवण करने के लिए प्रतिदिन सैकड़ो पुरुष एवं महिला श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। शाम के समय नानी बाई के मायरे का वाचन भी हो रहा है। कथा के तीसरे दिन शनिवार को प्रवचन देते हुए पंडित हेमंत महाराज ने कहा कि हिंदू सनातन धर्म का मूल आधार गौ माता है। भक्त नरसी महाराज का ग्रहस्थ जीवन को छोड़कर हरि भक्ति में लीन होने का प्रसंग सुनाते हुए हेमंत महाराज ने सनातन संस्कृति से जुड़े रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति ही श्रेष्ठ संस्कृति है हम सभी को गौ सेवा में अपनी कमाई का कुछ हिस्सा दान करना चाहिए जिस नगरी में इस प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं वहां के लोग धन्य हो जाते हैं। गौ सेवार्थ 46 लाख की अब तक हुई घोषणा - सोनलपुरा सरपंच भंवरलाल खिलेरी ने बताया कि गौ सेवार्थ आयोजित हो रही इस भागवत कथा में आमजन बढ़ चढ़कर दान पुण्य कर रहे हैं। कथा के तीसरे दिन तक गौ सेवार्थ 46 लख रुपए देने की घोषणा हो चुकी है। कथा के दौरान आने वाली राशि से सोनलपुरा में भव्य गौशाला का निर्माण करवाया जाएगा। गौ दान राशि के साथ भामाशाहो ने खेली, ठाण एवं अन्य आवश्यक सामग्री गौशाला में भेंट करने हेतु घोषणाएं की। साथ ही एक भामाशाह ने गौशाला में ट्यूबवेल खुदवाने की भी घोषणा की।

समाजसेवी सुनील जाटव ने बीजेपी परिवर्तन संकल्प यात्रा पर किया भव्य स्वागत

चमकता राजस्थान

वैर (राजवीर सिंह) विधानसभा क्षेत्र के नहरपुर के धर्म कांटा पर समाजसेवी सुनील जाटव ने अपने समर्थन में कई हजारों की संख्या में फूल माला के साथ बीजेपी परिवर्तन संकल्प यात्रा का स्वागत करते हुए। समर्थकों ने सुनील जाटव को अपने कंधों पर उठाकर सुनील जाटव जिंदाबाद के नस समाज ने बीजेपी से टिकट दिलाने के लिए बीजेपी प्रदेश आलाकमान से अहवंत किया। वैर विधानसभा के लोगों ने सुनील जाटव को बीजेपी से पुरजोर समर्थन किया। सर्व समाज ने पढ़ा लिखा शिक्षित योग्य उम्मीदवार सुनील जाटव के लिए बीजेपी के पक्ष में टिकट देने के साथ बीजेपी आलाकमान से मांग की। गहलोत सरकार से आम जनता परेशान हो चुकी हैं। इस भ्रष्टाचार निकम्मी, युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी के साथ दलित अत्याचा करने वाली गहलोत सरकार को जड़ से उखाड़ फेंककर बीजेपी की सरकार बनाने में अपनी भागेदारी सुनिचित करे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 36466 प्रकरणों का किया निस्तारण

रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट करौली राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश माधवी दिनकर के निर्देशन में आज दिनांक 09 सितम्बर 2023 को करौली जिले के समस्त न्यायिक न्यायालयों समस्त राजस्व न्यायालयों, जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग करौली व श्रम विभाग करौली में लंबित सभी प्रकृति के विवादों से संबंधित एक दिवसीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन ऑफलाईन के साथ-साथ ऑनलाईन माध्यम से किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश बीना गुप्ता ने माँ सरस्वती के चित्रपट पर दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ किया गया राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन हेतु करौली मुख्यालय पर 04 सपोटरा मुख्यालय पर 01, नादौती मुख्यालय पर 01. ताल्लुका मुख्यालय हिण्डौन सिटी पर 02 श्रीमहावीरजी पर 01 एवं टोडाभीम पर 02 लोक अदालत बैंचों का गठन किया गया। इस प्रकार सम्पूर्ण जिले में कुल 11 बैंचों द्वारा लोक अदालत में राजीनामा के आधार पर प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

करौली मुख्यालय पर बैंच संख्या 01 के अध्यक्ष प्रहलाद राय शर्मा न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय करौली बैंच संख्या 02 की अध्यक्ष नीतू भारद्वाज अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट करोली, बेंच संख्या 03 के अध्यक्ष देवकरण गुर्जर अध्यक्ष जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग करौली एवं बैच संख्या 04 की अध्यक्ष बीना गुप्ता सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण करौली की बैंचों का गठन किया गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवम 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली न.6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक: अभय सिंह चौहान,
मोबाइल: 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

नेट थियेट पर नन्द के आनन्द भयो
यही ब्रजधाम है विश्व कौ प्राण है

चमकता राजस्थान

जयपुर। नेटथियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज कृष्ण जन्मोत्सव पर ब्रज के कलाकार *राधवल्लभ सक्सेना सरस ब्रजवासी* ने अपनी मधुर वाणी से कृष्ण जन्म के लोकांचल भजन एवं बधाईयां सुनाकर लोगों को राधाकृष्ण की छवि से साक्षात्कार करवाया।

नेट थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि सरस ब्रजवासी ने कार्यक्रम की शुरूआत ब्रज वन्दना *यही ब्रजधाम है, विश्व कौ प्राण है* सुनाकर ब्रज संस्कृति को जीवंत किया। उसके बाद उन्होनें कृष्ण जन्म की लीला को सुप्रसिद्ध *जन्म लियो कृष्ण मुरारी ने, भादौ आधी रात जनम लियो* बड़े ही मनोयोग से सुनाया। सरस ब्रजवासी ने बधाई गान *जनम लियो यदुरइया, गोकुल में बाजै बधइया* फिर शंकर भगवान का एक भजन *आज ये गोकुल की गलियन में नाचै, योगी भतवालो, अलख निरंजन, खड़ा पुकारे, दखूंगौ यशोदा लाला* इसके बाद उन्होंने *नन्द के आनन्द भयो जय कन्हैया लाला की* और अंत मे *वंदे ब्रज वसुंधरा,वंदे ब्रज वसुंधरा* सुनाकर महौल को कृष्णमयी बना दिया।

कार्यक्रम का संचालन ने राहुल गौतम ने किया। ढोलक पर *पावन डांगी*, तबले पर *भानु कुमार राव*, सिंथेसाइजर पर *माधव सक्सेना* और हैंड सोनिक पर *भवानी डांगी* ने असरदार संगत कर ब्रज संस्कृति का संगीतमयी रंग जमाया।

स्वदेशी रसोई के निदेशक भूपेन्द्र सिंह शेखावत ने कलाकारो का सम्मान किया। कार्यक्रम में फाइन आर्ट राजापार्क ने कृष्ण की अतिसुंदर छवि मुद्रण कर भेंट की। संयोजक नवल डांगी कैमरा मनोज स्वामी, संगीत सागर गढवाल, दृश्य सज्जा जीवितेश शर्मा, मनीष योगी और अंकित शर्मा नोनू रहे।

भारतीय जीवन बीमा निगम के मुख्य सलाहकार एवम पार्षद दीपक मुदगल का जयपुर में हुआ सम्मान

चमकता राजस्थान

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा भरतपुर,भारतीय जीवन बीमा निगम के मुख्य जीवन बीमा सलाहकारों का सम्मेलन होटल सेवन एप्पल जयपुर में आयोजित किया गया। जिसमे जयपुर मंडल द्वितीय में भरतपुर के मुख्य जीवन बीमा सलाहकार एवम पार्षद दीपक मुदगल द्वारा एक करोड़ रुपया प्रथम प्रीमियम पूर्ण करने पर वरिष्ठ मंडल प्रबंधक दिनेश तनानिया, विपणन प्रबंधक गिर्जेश शर्मा एवम मुख्य जीवन बीमा सलाहकारो के मंडल प्रबंधक डा श्रीपति वर्मा द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। ज्ञातव्य रहे की बीमां क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर देश व विदेश अनेकों बार सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। जिसमें मुख्यत: मॉरीशस, पोर्टब्लेयर,कोचीन, हैदराबाद,मुंबई, कलकत्ता, अहमदाबाद, वाराणसी व देश के प्रमुख स्थानों पर सम्मानित किया जा चुका है। मुदगल को सम्मानित किए जाने पर मुख्य जीवन बीमा सलाहकार लक्ष्मण गोयनका,ओमप्रकाश महेश्वरी,मनोज तिवारी,गुड्डू सिंह सोगरवाल, आलोक सिंह ,अशोक लवानिया,सत्येंद्र कौशिक एवम अभिकर्ता योगेश्वरी मुदगल,राजवीर सिंह,संजीव शर्मा,रतिराम सिंह,इंद्रेश शर्मा, गोपेश वशिष्ठ,पूजा गर्ग ,अनुराधा शर्मा,संजय गुप्ता आदि ने हर्ष व्यक्त कर बधाईयां प्रेषित कीं।

राजस्थान मिशन 2030 पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित हुई

चमकता राजस्थान

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा डीग, राजस्थान मिशन 2030 पर पुष्पांजलि सीनियर सेकेंडरी स्कूल डीग में निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई।इसमें सीनियर वर्ग में कुमकुम ने प्रथम स्थान व माफी ने द्वितीय स्थान तथा जूनियर वर्ग में निशा ने प्रथम स्थान व अमन यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया । विजय प्रतियोगियों को संस्था प्रधान मुकेश सिंह राजपूत ने प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया ।

स्वामी श्री बालमुकुंदाचार्य जी महाराज के सानिध्य में नंदोत्सव का हुआ आयोजन।

चमकता राजस्थान

जयपुर-श्री तुलसीदास सुंदरकांड मंडल के तत्वाधान में तिरुपति विहार 6, नांगल जैसा बोहरा जयपुर में स्वामी श्री बालमुकुंदाचार्य जी महाराज हाथोज धाम के सानिध्य में नंदोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भगवान का अलौकिक श्रंगार कर भव्य दरबार सजाया गया एवं बधाई गान गाकर बधाई बांटी गई नगर निगम चेयरमैन रश्मि किरोडिया एवं समाजसेवी राजेंद्र सैनी के द्वारा स्वामी श्री बालमुकुंदाचार्य जी महाराज हाथोज धाम को माला, साफा पहनाकर सम्मानित किया एवं भगवान का विग्रह चित्र भेंट स्वरूप प्रदान किया।

हर्षोल्लास से मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

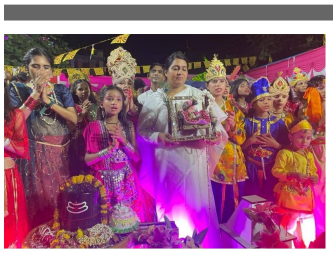

चमकता राजस्थान

जयपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय जादौन नगर, दगपुरा जयपुर की संचालिका राजयोगिनी ब.कु. सबसुईया बहन के सानिध्य में कल्याण नगर स्थित बालाजी मंदिर के समीप श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। इसमें राधेकृष्ण के जीवन चरित्रों पर आधारित विविध चैतन्य झांकियां सजाई गई। वहीं भगवान को नीली पीली पोशाक एवं अंलकार धारण कराए गए। बालकृष्ण ने गोपी ग्वालों, राधा संग झूला झूलते बड़ी धूमधाम से नाटिका, भजन, गीतमाला सहित सामूहिक गर्भा रास एवं नृत्य-संगीत से सबको मनमोहित कर दिया। वहीं भक्तिमय माहौल में बधाई गीतों के बीच श्रद्धालुओं ने अपने दोनो हाथ उठाकर राजयोगी कृष्ण के जयघोष उच्चारण किए। केंद्र की संचालिका बीके सबुसुईया बहन ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि हमें अपने मन को भी शुद्ध और पवित्र बनाना होगा। राजयोग मेडिटेशन तन व मन के बीच सामंजस्य स्थापित करने का ऐसा शाश्वत साधन है, जिसके नियमित अभ्यास से कृष्ण समान आचरण की धारणा से आत्म चेतना जागृत कर नई सुन्दर दुनिया बनाने की प्रेरणा मिलती हैं।

प्रदेश में अराजकता का माहौल बनाने की जिम्मेदार है बीजेपी और कांग्रेस- मुख्य प्रवक्ता योगेंद्र गुप्ता
सत्ता पाने का सपना देखना बंद कर दे बीजेपी और कांग्रेस

चमकता राजस्थान

आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता योगेंद्र गुप्ता ने प्रदेश को अराजकता और अव्यवस्था के माहौल में धकेलने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस और बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी इस मुगालते में कतई न रहे कि राजस्थान की जनता इतनी अराजकता के बावजूद उन्हें दोबारा सत्ता की कुर्सी सौंपेगी। क्योंकि आज प्रदेश की जनता के सामने आम आदमी पार्टी मजबूत विकल्प के रूप में मौजूद है।

योगेंद्र गुप्ता ने कहा कि पिछले लगभग साढ़े चार साल में कांग्रेस ने राजस्थान को अराजकता के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है। जनता ने कांग्रेस को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों को लेकर कांग्रेस पर भरोसा जताया था लेकिन सरकार ने जनता से जुड़े किसी भी मुद्दे को लेकर जनता को राहत देने का काम नहीं किया। आप के मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि प्रदेश की स्थिति ऐसी हो गई है कि XEN की पत्नी रिश्वत लेने का फैसला कर रही है। विधायक भरत सिंह भी मुख्यमंत्री को कई चिट्ठियां लिखकर प्रदेश के खान मंत्री को भ्रष्ट बता चुके हैं लेकिन सरकार ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की। योगेंद्र गुप्ता ने कहा कि इसी राजस्थान में भ्रष्टाचार इस तरह हावी है कि रिश्वत में महिलाओं की अस्मिता तक मांगी गई। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था भी प्रदेश में अंतिम सांसे गिन रही है जहां मांगरोल में कांग्रेस के ही एक पदाधिकारी को सरेआम गोलियां मारी जाती हैं। अराजकता को लेकर खुद प्रदेश सरकार के मंत्री अशोक चांदना भी धरना देने को मजबूर हैं। प्रदेश की बिजली व्यवस्था को लेकर उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री को टॉर्च की रोशनी में एक कार्यक्रम का चार्ट देखना पड़ रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिस सरकार के मुखिया अपनी मौजूदगी में बिजली नहीं ला सकते तो जनता तो बहुत दूर की बात है। प्रदेश में एंबुलेंस कर्मी समेत कई संगठन और विभाग के लोग एक बार फिर से हड़ताल की तरफ बढ़ रहे हैं।

आप के मुख्य प्रवक्ता ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी नेता लगातार राजस्थान में बेहतर कानून व्यवस्था की बात करते हैं लेकिन वो बीजेपी की पूर्ववर्ती सरकार में कानून व्यवस्था के बारे में बात क्यों नहीं करते ? योगेंद्र गुप्ता ने कहा कि बीजेपी राजस्थान में कैसी कानून व्यवस्था देना चाहती मणिपुर जैसी या फिर मध्य प्रदेश जैसी ? उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था से भी बीजेपी का कोई सरोकार नहीं है क्योंकि वो चाहते ही नहीं कि गरीब के बच्चे पढ़कर अपने अधिकार की बात करें। भ्रष्टाचार के मामले में भी बीजेपी कांग्रेस से पीछे नहीं है। क्योंकि बीजेपी सरकार के दौरान हुए भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस के एक बड़े नेता अनशन तक कर चुके हैं।

योगेंद्र गुप्ता ने कहा कि चुनाव का मौसम आ गया है इसलिए राजस्थान की जनता को बीजेपी औऱ कांग्रेस गुमराह करने की कोशिश करेगी। जनता को इन लोगों के चेहरे पर लगे मुखोटे को पहचान कर ऐसे लोगों से होशियार रहना है और राजस्थान के विकास और प्रदेश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए और प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था, कानून व्यवस्था में सुधार करने के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार बनानी पड़ेगी।

आईसीएआई के मेगा इवेंट ने भविष्य के फाइनेंसियल लीडर्स की आकांक्षाओं को प्रज्वलित करते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया

चमकता राजस्थान

जयपुर, 09 सितंबर, 2023: इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने एक ही स्थान पर अब तक का सबसे बड़ा अकाउंटिंग पाठ आयोजित करने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। राजस्थान के जयपुर में आयोजित 'युवाओं के लिए अकाउंटिंग और फाइनेंस में करियर (सीएएफवाई) और सुपर मेगा करियर काउंसलिंग प्रोग्राम- भविष्य की राह' शीर्षक वाले मेगा इवेंट ने भारत के उत्साही युवा दिमाग पर एक अमिट छाप छोड़ी। स्कूली छात्रों की भारी उपस्थिति के साथ, इस कार्यक्रम ने आईसीएआई के लिए लेखांकन और वित्त पेशेवरों के भविष्य को संवारने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। सबसे बड़े लेखांकन पाठ में भाग लेने के लिए कुल 3933 छात्र एक छत के नीचे एकत्र हुए।

यह कार्यक्रम 300 से अधिक विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया गया था और देश भर से लगभग 200,000 छात्रों को इसका अनुभव मिला। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वाणिज्य और चार्टर्ड अकाउंटेंसी में संभावनाओं के बारे में बताना है, यह प्रदर्शित करना है कि चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना अनंत संभावनाओं से भरी यात्रा की शुरुआत है। यह ऐतिहासिक प्रयास युवाओं के बीच लेखांकन और वित्त के क्षेत्रों को बढ़ावा देने के साथ-साथ शिक्षा और व्यावसायिक विकास में उत्कृष्टता की निरंतर खोज के लिए आईसीएआई के समर्पण को रेखांकित करता है।

इस अवसर पर आईसीएआई के अध्यक्ष सी ए.अनिकेत सुनील तलाटी ने कहा, "आज, हमने एक ऐतिहासिक क्षण देखा जहाँ हमने एक स्थान पर सबसे अधिक क्षात्रों को एकाउंटिंग लेसन दे कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाया। पूरे भारत से भाग लेने वाले हजारों छात्रों के साथ, हम अपने देश के भविष्य का गवाह बने। हमारा मिशन वाणिज्य और लेखांकन के महत्व पर जोर देता है, चार्टर्ड अकाउंटेंसी द्वारा प्रदान किए जाने वाले विविध अवसरों को प्रदर्शित करता है। सीए बनना सिर्फ एक मील का पत्थर नहीं है; यह अनंत संभावनाओं से भरी करियर यात्रा की शुरुआत है। चार्टर्ड अकाउंटेंट राष्ट्र-निर्माण के स्तंभ हैं। यह कार्यक्रम वाणिज्य और चार्टर्ड अकाउंटेंसी में अनगिनत अवसरों के पथ को प्रदर्शित करता है।"

इसके अलावा, आज उद्घाटन सत्र के दौरान, आईसीएआई के उपाध्यक्ष सी ए. रंजीत कुमार अग्रवाल ने कहा, "हम यहां वाणिज्य शिक्षा के महत्व और इसके विशाल कैरियर अवसरों पर जोर देने के लिए आए हैं। भारत के 3,500 कैरियर विकल्पों में से, वाणिज्य अपने अद्वितीय लाभों के साथ जाना जाता है। चार्टर्ड अकाउंटेंट वित्तीय ऑडिट करने के अलावा कंपनियों के पोषण, वित्त प्रबंधन और कर संग्रह को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ती है, हमारे सकल घरेलू उत्पाद को आकार देने में वित्तीय और लेखा सेवाओं का महत्व बढ़ता है।"

करियर इन एकाउंटिंग एंड फाइनेंस फॉर यूथ (सीएएफवाई) और सुपर मेगा करियर काउंसलिंग प्रोग्राम ने लेखांकन और वित्त की पुरस्कृत दुनिया में एक व्यापक अंतर्दृष्टि प्रदान की। इसने छात्रों को अनुभवी पेशेवरों के साथ बातचीत करने, मूल्यवान कैरियर मार्गदर्शन प्राप्त करने और इन गतिशील क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों की विशाल श्रृंखला का पता लगाने के लिए एक मंच प्रदान किया।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी के क्षेत्र में अग्रणी प्राधिकरण के रूप में आईसीएआई युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और उन्हें सफल करियर की ओर मार्गदर्शन करने के महत्व को पहचानता है। इस मेगा इवेंट का आयोजन करके, आईसीएआई युवाओं को ज्ञान और कौशल के साथ सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है जो समृद्ध भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

सी ए. रोहित रुवाटिया कैरियर काउंसलिंग कमेटी के अध्यक्ष हैं और सी ए. राजकुमार अदुकिया इस कमेटी के उपाध्यक्ष हैं, इनके कुशल मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आईसीएआई के बारे में

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) भारत में चार्टर्ड अकाउंटेंसी के पेशे के नियमन के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 के तहत संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित एक वैधानिक निकाय है। संस्थान, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की प्रशासनिक देखरेख में कार्य करता है, जिसमें लगभग 8.50 लाख छात्र और लगभग 4 लाख सदस्य हैं, आईसीएआई राष्ट्र की सेवा की एक मजबूत परंपरा के साथ दुनिया में सबसे बड़ा पेशेवर लेखा निकाय है। आज आईसीएआई के पास भारत में 5 क्षेत्रीय परिषदों और 168 शाखाओं का एक विस्तृत नेटवर्क है। इसके 47 विदेशी चैप्टर और 34 प्रतिनिधि कार्यालय हैं और दुनिया के 81 शहरों और 47 देशों में इसकी उपस्थिति है।